54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 11.9°c
अधिकतम 20.5 °c

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606
संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा
रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 6:55, सूर्यास्त - 6:11 | वर्ष : 54/ अंक : 49 | बृहस्पतिवार, 19 फरवरी 2026 | फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, द्वितीया | सम्वत 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

अमृतवाणी

जो दूसरों की राहों में अंधेरा करते हैं, उजाले उनको भी नसीब नहीं होते।

भारत सिर्फ ग्लोबल इनोवेशन में हिस्सा नहीं लेता बल्कि उसे लीड भी करता है : इमैनुएल मैक्रों

चन्द लोगों को छोड़ कर....सभी भारतीय इस बात पर गर्व करते हैं....

खुशियों के आसमां का जहाँ, बेहद खूबसूरत है, हमारा ये आशियां।

मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत परियोजना द्वारिका सिटी में इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति के अन्तर्गत दुर्बल आय वर्ग एवं अल्प आय वर्ग (जी+3) फिनिश्ड फ्लैट्स प्राप्त करने का

सुनहरा अवसर

वर्ग	बिल्टअप एरिया	कॉर्पेट एरिया	भवन की संरचना	निर्धारित मूल्य (रूपये)	भवनो की संख्या
ई.डब्लू.एस. G+3	25.544 वर्ग मी0 (274.95 वर्ग फुट)	22.048वर्ग मी0 (237.32वर्ग फुट)	1 रूम, किचन व टॉयलेट	रू0 4,51,582.00	228
एल.आई.जी. G+3	36.02 वर्ग मी0 (387.716 वर्ग फुट)	31.245वर्ग मी0 (336.32वर्ग फुट)	1 बैडरूम, 1 लिविंग रूम, किचन व टॉयलेट	रू0 10,87,190.00	228
भुगतान एवं अन्य विवरण हेतु पंजीकरण पुस्तिका का अवलोकन करें।					

द्वारिका सिटी में इन्टीग्रेटिड टाउनशिप नीति के अन्तर्गत रूडकी-मेरठ बाईपास रास्ते पर स्थित दुर्बल एवं अल्प आय वर्ग के अन्तर्गत किफायती आवासीय योजना में लाभ प्राप्त करने हेतु निर्धारित पंजीकरण पुस्तिका के आवेदन शुल्क रू0 200.00 जमा कराते हुए पंजीकरण पुस्तिका द्वारिका सिटी, जानसठ रोड स्थित कार्यालय से एवं निर्धारित बैंक से प्राप्त की जा सकती है।

पंजीकरण फार्म को द्वारिका सिटी कार्यालय, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर में आवेदन पत्र के साथ पंजीकरण पुस्तिका में अंकित धनराशि का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चैक/पे-ऑर्डर संलग्न करते हुए नियमानुसार जमा कराया जा सकता है। प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों की पात्रता/अपात्रता की जांच जिला नगरीय विभाग अभिकरण, मुजफ्फरनगर (डूडा) से करायी जायेगी तथा जांचोपरान्त पाये गये पात्र आवेदकों के मध्य शासन द्वारा गठित समिति के माध्यम से निर्धारित स्थान पर लॉटरी (ड्रा) का आयोजन करते हुए नियमानुसार भवन आवंटन की प्रक्रिया अपनाई जायेगी।

नोट :- शासनादेश में वर्णित व्यवस्था के अनुसार आरक्षण लागू होगें।

द्वारिका सिटी इंटीग्रेटेड टाउनशिप

जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)

दुर्बल एवं अल्प आय वर्ग हेतु किफायती आवासीय योजना

पंजीकरण अवधि 20.02.2026 से 20.04.2026 तक

यू0पी0रेरा रजिस्ट्रेशन नं0 UPRERAPRJ170765/03/2025

Project Start Date : 01-07-2023

Website : www.up-rera.in

25 YEARS OF SERVICE AND EXCELLENCE | MAX Healthcare

मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली (गाज़ियाबाद) के श्रेष्ठ मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी रोग विशेषज्ञ से परामर्श, आपके शहर मुज़फ्फरनगर में

ओ.पी.डी. शेड्यूल

डॉ. अजय प्रजापति
सीनियर कंसल्टेंट - न्यूरोसर्जरी

शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026
सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे
रामा कृष्णा हॉस्पिटल, टाउन हॉल रोड, मुजफ्फरनगर

समस्याएँ: सिर दर्द, कमर दर्द, हाथ पैर का सुन्न होना, चक्कर आना, साइटिका, सर्वाइकल, डिस्क प्रोलैप्स, स्पोंडिलोसिस, ब्रेन एंड स्पाइन ट्यूमर, माइक्रो न्यूरो सर्जरी, मिर्गी का दौरा इत्यादि।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
+91 - +91-82188 74540

www.maxhealthcare.in
मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली (क्रॉसले रेमिडीज लिमिटेड की एक इकाई)
डब्ल्यू-3, सेक्टर -1, वैशाली, गाजियाबाद - 201012 (यूपी) | फोन: +91-0120-4173 000, 4188 000

ओम शान्ति ओम ओम शान्ति ओम

सुनहु भरत भावी प्रबल, बिलख कहेउ मुनि नाथ। हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ।।

रस्म तेरहवीं एवं शोक सभा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूजनीय माताजी

श्रीमती मिथलेश सिंघल जी (पत्नी स्व. लाला रामसेवक सिंघल जी)

का स्वर्गवास मंगलवार, दिनांक 10 फरवरी 2026 को हो गया है। वह अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके प्रभु के श्री चरणों में विलीन हो गई हैं। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु

रस्म तेरहवीं /शोक सभा शुक्रवार, दिनांकः 20 फरवरी, 2026 को होनी निश्चित हुई है।

ब्रह्मभोज ....12:00 बजे दोपहर
रस्म तेरहवीं एवं शोक सभा ....02:00 बजे दोपहर

स्थानः- ब्रजमूर्ति पैलेस, स्टेट बैंक के सामने, मेन रोड, शाहपुर, मुजफ्फरनगर

-: शोकाकुल परिवार:-

शिवम सिंघल (पुत्र) युवा भाजपा नेता
गुनमाला सिंघल- स्व. अम्बेकवर सिंघल (देवर-देवरानी)
नेमचन्द बंसल- स्व. मधुर बंसल (ननदोई-ननद)
बबीता सिंघल- स्व. प्रदीप सिंघल (पुत्री-दामाद)
मंजूषा मित्तल- हरीश मित्तल (पुत्री-दामाद)
सोनू अग्रवाल (पुत्री)
नीरू गर्ग- मनोज गर्ग (पुत्री-दामाद)
पारूल गोयल-प्रशान्त गोयल (पुत्री-दामाद)
विनी गर्ग- निशांक गर्ग (पुत्री-दामाद)

विशु बंसल-नितिन बंसल (धेवती-धेवती दामाद)
हर्ष सिंघल- चांदनी सिंघल (धेवता-धेवता वधू)
उमंग सिंघल- स्वाति सिंघल (भतीजा-भतीज वधू)
डा० तरंग सिंघल- डा० एकता सिंघल (भतीजा-भतीज वधू)
अवि, भव्य, अक्स, भाविक (धेवते)
प्रत्यश्रा, आयूषी (धेवती)
नक्श, रूद्रांश (पड़धेवते)
नायरा, वमिका (पड़धेवती)
विहान (पौत्र), आरोही, मिशिका (पौत्री)
एवं समस्त सिंघल परिवार, शाहपुर (मुजफ्फरनगर)

-: प्रतिष्ठान:-

- **मै0 रतनलाल रामसेवक,** मेन बाजार, शाहपुर, मु०नगर
- **मै0 बेअंत लाल एण्ड कम्पनी**, 225 बी, नवीन मंडी स्थल, मु०नगर
- **मै0 तरूण मैडिकल एजेन्सीज**, जिला परिषद मार्किट, मु०नगर

निवास स्थानः- मौहल्ला सानियान, शाहपुर (मुजफ्फरनगर) M. 9997139441, 8439501404

ओम शान्ति ओम ओम शान्ति ओम

रस्म तेरहवीं

सुनहु भरत भावी प्रबल, बिलख कहेउ मुनि नाथ। हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ।।

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि **श्रीमती शोभा जैन** (धर्मपत्नी श्री राकेश कुमार) का स्वर्गवास दिनांक:17 फरवरी, 2026 को हो गया है। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।

शोक सभा/ रस्म तेरहवीं, दिनांक :19 फरवरी, 2026 दिन- बृहस्पतिवार को होनी निश्चित हुई है।

शोक सभा/रस्म तेरहवीं: दोपहर 02:00 बजे

स्थानः- राज मंदिर बैंकट हॉल, भोपा रोड, मुजफ्फरनगर

-: शोकाकुल परिवार:-

रविन्द्र जैन-चारू जैन (देवर-देवरानी)
संजय जैन-अरूणा जैन (भतीजा-भतीजावधू)
अजय जैन-शालिनी जैन (भतीजा-भतीजावधू)
रूचिर जैन-राधिका जैन (भतीजा-भतीजावधू)
अविरल जैन- आरूषी जैन (भतीजा-भतीजावधू)

राकेश कुमार जैन (पति)
(पूर्व अध्यक्ष फेडरेशन)
अभिनव जैन-पायल जैन (दामाद-पुत्री)
अंकित जैन-नैन्सी जैन (पुत्र-पुत्रवधू)
सोमिल जैन, सिद्ध जैन (पौत्र)

प्रतिष्ठानः- मै0 चन्द्रप्रभु इन्टरनेशनल लि0

निज निवासः- 5 बी, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M:. 9897022633, 9897098377

54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 11.9°c अधिकतम 20.5 °c

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 6:55, सूर्यास्त - 6:11 | वर्ष : 54/ अंक : 49 | बृहस्पतिवार, 19 फरवरी 2026 | फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, द्वितीया | सम्वत 2082 | मूल्य : 3 रुपये | पृष्ठ : 2

अमृतवाणी
जो दूसरों की राहों में अंधेरा करते हैं, उजाले उनको भी नसीब नहीं होते।

भारत सिर्फ ग्लोबल इनोवेशन में हिस्सा नहीं लेता बल्कि उसे लीड भी करता है : इमैनुएल मैक्रों

चन्द लोगों को छोड़ कर....सभी भारतीय इस बात पर गर्व करते हैं....

चौकी इंचार्ज की कुर्सी से मस्ती करनी पड़ी भारी

पुलिस ने दोनों नशेड़ियों की खुमारी उतारी

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। बुधवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें शहर कोतवाली क्षेत्र के बुढ़ाना चौकी में कुर्सी पर बैठा संजीव पंवार नाम का व्यक्ति चौकी इंचार्ज की भूमिका निभाता दिखा, जबकि उसका साथी अभिषेक पंवार संजीव कुमार को चने के झाड़ पर चढ़ाते हुए बोलता हुआ दिखाई दिया कि आज से अभिषेक पंवार इस चौकी के इंचार्ज हैं और जो कोई उनकी नहीं मानेगा उसका इलाज भर दिया जायेगा और सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार है, ऐसे में वें गलत काम करने वालों से सख्ती से निपटेंगे। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो दूसरों का इलाज करने वाले संजीव पंवार व अभिषेक पंवार का खुद ही इलाज हो गया। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और दोनों का इलाज करते हुए उन्हें सलाखों के पीछे भेजा गया। बताया जाता है कि दोनों युवक बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के माजरा के रहने वाले संजीव पंवार, अभिषेक पंवार हैं। अभी इस बात की जानकारी पुलिस द्वारा नहीं दी गयी कि आखिर किस तरह से उक्त दोनों लोग बुढ़ाना मोड़ चौकी में घुसे और उक्त वीडियो बनाकर कैसे वहां से वापस लौट गये, क्योंकि चौकी पर हर समय कोई ना कोई पुलिसकर्मी रहता ही है। या तो वीडियो बनाने के समय कोई भी पुलिसकर्मी चौकी में मौजूद नहीं था या फिर किसी घटना पर गये हुए थे। यह बात पुलिस द्वारा जानकारी देने के बाद ही साफ हो पायेगी। फिलहाल शराब पीकर चौकी इंचार्ज की कुर्सी से मजाक करना दोनों लोगों को भारी पड़ गया है और दोनों को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

हरसौली मंदिर प्रकरण में अब ग्राम प्रधान तेजवीर ने दी सफाई, बोले- मूर्ति तोड़ने की सीसीटीवी फुटेज निकलवाई जाये

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। हरसौली मंदिर की मूर्ति तोड़ने के प्रकरण में ग्राम प्रधान तेजवीर ने मीडिया के सामने अपनी सफाई देते हुए अपना स्पष्टीकरण दिया और कहा कि कल महंत ने राजनीति करते हुए जो आरोप प्रधान पर लगाये हैं वह निराधार हैं। ना तो वे किसी वीडियो में वहां मौजूद हैं। हा उनके भाई व भतीजे वहां जरूर मौजूद थे। एक सेवादार से उनकी धक्का-मुक्की हुई और उस पर वें दुख व्यक्त करते हैं। आगे उन्होंने कहा कि मंदिर की मूर्तियां तोड़ने की बात वें एक सिरे से खारिज करते हैं। यदि उनके द्वारा अथवा उनके भाई-भतीजे द्वारा मूर्ति को छेड़ा भी गया हो तो वें उसकी जिम्मेदारी लेंगे। उन्होंने कहा कि भगवान हमारे लिए भी उतने ही पूजनीय है, जितने अन्य लोगों के लिए। महंत झूठी अफवाए फैला रहे हैं। ग्राम प्रधान तेजवीर ने कहा कि उन्होंने खुद अपने घर के तीन ट्रैक्टर सेवाभाव से मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा व भंडारे हेतु भेजे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले पांच दिन से उनका भाई वहीं मंदिर सेवा करने हेतु मौजूद था। प्रधान ने कहा कि यदि महंत सच्चे हैं तो जिस समय मूर्ति को छेड़ा गया तो महंत ने उस समय से अगले दिन तक प्रधान को या उनके परिचितों को सूचना तक देना उचित नहीं समझा। उन्होंने कहा कि मंदिर में सीसीटीवी लगे हुए हैं, प्रशासन फुटेज निकलवाये और जो गलत हो उसके साथ कार्यवाही करें। इस पर हमें कोई ऐतराज नहीं है।

तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव हरसौली में मंगलवार को उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जब हरसौली के प्रधान पर मंदिर के महंत पुष्करनाथ के साथ-साथ ग्रामीणों ने खुलकर मंदिर कब्जाने के आरोप लगाए थे। इस मामले में भगवान शिव व कार्तिक भगवान की मूर्ति भी खंडित करने का आरोप ग्राम प्रधान व उसके भाई भतीजों पर लगाया गया था। उक्त मामले में जब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई तो क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेन्द्र पाल ने घटना का संज्ञान लेते हुए तीन लोग सोहनवीर पुत्र पिंटू पुत्र धर्मसिंह, अजय पुत्र तेजवीर निवासीगण ग्राम हरसौली, थाना शाहपुर व अरुण पुत्र कलवा पुत्र राजवीर निवासी ग्राम लच्छेड़ा, मंसूरपुर के खिलाफ धारा 115 (2)/ 109 (1)/298/351 (3) बीएनएस पंजीकृत कराया गया। सीओ का बताना है कि जल्द ही तीनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। तीनों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर ली गयी है। आपको बता दें कि हरसौली के इस मंदिर में लम्बे समय से विवाद चला आ रहा है। कभी कूटनीतिक ढंग से मंदिर में मिस्त्री को चप्पल पहनने पर कार्य करते हुए आपत्ति जताई जाती है तो कभी किसी अन्य विवाद में महंत को घेरने की कोशिश करते हुए मंदिर पर कब्जा करने की योजनाएं ग्राम प्रधान व उसके भाई भतीजों द्वारा बनाई जाती है। पिछले कई वर्षों से ये मंदिर विवादों के घेरे में है और मंगलवार को तो भगवान शिव व कार्तिक की मूर्ति खंडित होने के बाद ग्रामीणों ने खुलकर बताया कि ग्राम प्रधान ने एक सेवक की ले जाकर पहले उसकी पिटाई की उसके बाद महंत को मारने की धमकी दी गयी। साथ ही साथ प्रधान मंदिर पर कब्जा करना चाहता है।

असामाजिक तत्वों ने शुरू किया करोड़ों रुपए के विकास को विनाश में बदलने का कार्य

जिलाधिकारी आवास के सामने हुए विकास में वंदे भारत का बैनर फाड़ा

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा लगातार शहर में विकास के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं। उन प्रयासों में वे कभी एमडीए तो कभी नगर पालिका को निर्देश देकर नगर का सौंदर्यकरण करने में लगे हुए हैं, फिर चाहे महावीर चौक पर चौराहे के सौंदर्यकरण कराने के प्रयास हों या फिर उनके आवास के सामने एमडीए द्वारा कराए गए शुक्रतीर्थ का पैदल मार्ग बनाने का कार्य हो, मगर असामाजिक तत्व यहां पर भी धींगामुश्ती करने में लगे हुए हैं और अभी इस सौंदर्यकरण का उद्घाटन हुए एक माह भी पूरा नहीं हुआ है, उससे पहले ही असामाजिक तत्व उसे उधेड़ने में लग गए हैं, जिसका एक जीता जागता उदाहरण सामने आया है, जहां असामाजिक तत्वों ने वंदे मातरम का बैनर फाड़ दिया है। पिछले दो दिनों से यह बैनर पूरी तरह फटा पड़ा है, मगर अभी तक किसी का ध्यान इस पर नहीं गया। ऐसे में कुछ माह बाद इस विकास का विनाश करने में यहां घूमने वाले असामाजिक तत्व कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। फिलहाल मुजफ्फरनगर में सौंदर्यकरण का यह पथ सबसे शानदार उदाहरण है। यहां बच्चों के शानदार झूले लगने के साथ-साथ सेल्फी प्वाइंट, खूबसूरत लाइटिंग से सजाया गया पोल आते-जाते लोगों को आकर्षित कर रहे हैं और बीच में नीले रंग की टाइलें लगाकर स्विमिंग पूल का अहसास करता दिखाई दे रहा है। इस विकास को असामाजिक तत्वों द्वारा और कितना पलीता लगाया जाता है, यह देखने वाली बात यह है।

कैमरे ना लगे तो जल्द ही विनाश में बदल जाएगा विकास

मुजफ्फरनगर। यदि इस पूरे क्षेत्र को जल्द ही सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में नहीं लाया गया, तो असामाजिक तत्व यहाँ की खूबसूरती को तहस-नहस कर देंगे। हाल ही में हुए सौंदर्यकरण के बाद यह क्षेत्र शहर के लिए एक गौरव का विषय बना है, लेकिन रात के अंधेरे में यहाँ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। जानकारों के अनुसार महंगे उपकरणों की सुरक्षा, यहाँ लगी लाइटें और बच्चों के लिए लगाए गए झूले काफी महंगे हैं, जिन्हें चोरी या क्षतिग्रस्त किए जाने का खतरा है। दीवारों पर की गई पेंटिंग और बिछाई गई टाइलों को भी कुछ शरारती तत्वों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे परिसर को हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों से कवर किया जाए। इसके साथ ही, रात के समय पुलिस की गश्त बढ़ाने की भी अपील की गई है, ताकि अराजक तत्वों पर लगाम कसी जा सके।

चांद के दीदार के साथ मुस्लिम इलाके गुलजार

आज पहले रोजे के साथ शुरू होगा रमजान, बाजारों में खरीदारी को उमड़े लोग

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। जिले में तो बादलों के कारण रमजान का चांद नहीं दिखा, लेकिन देश के तमाम इलाकों में चांद नजर आने के बाद रमजान का ऐलान कर दिया गया। इसके साथ ही तराबीह का दौर शुरू हो गया और तमाम लोग सहरी के लिए खरीदारी में उमड़ पड़े। इसके चलते खालापार समेत तमाम मुस्लिम इलाकों में शाम होते ही चहल पहल नजर आई।

चांद के दीदार के साथ रमजान का ऐलान होते ही तमाम मुस्लिमों ने एक दूसरे को मुबारकबाद दी। मस्जिदों से चांद का ऐलान हुआ और तराबीह की नमाज पढ़ी गई। रमजान के ऐलान के साथ गुरुवार को पहला रोजा होगा। इसके लिए सहरी का सामान खरीदने के लिए तमाम लोग बाजारों में निकले। सऊदी में कल चांद हो जाने के बाद आज चांद दिखना तय हो गया था। ऐसे में सुबह से ही लोग रमजान के लिए तैयारियां कर रहे थे। शाम को जैसे ही चांद का ऐलान हुआ खालापार, लद्दावाला, मल्हूपुरा, सरवट व सूजडू समेत तमाम इलाकों के साथ जिले भर में अहले इस्लाम बाजारों में खरीदारी के लिए निकले तो वहां खासा चहल पहल नजर आई। खालापार में फेनी, खजला, ब्रेड, मेवा और दूध की खरीदारी के लिए लोग निकले। ठेलियों पर सजाए गए सहरी के सामान की खरीदारी का पूरा जोर रहा। लोगों ने अपनी हैसियत के हिसाब से सामान खरीदा। मुस्लिम महिलाएं सेहरी और इफ्तार की तैयारियों के लिए आवश्यक सामान खरीदती नजर आई। बच्चों में भी रमजान को लेकर उत्साह नजर आया। मीनाक्षी चौक और खालापार, लद्दावाला तथा मल्हूपुरा में देर रात तक पूरी रौनक नजर आई। सहरी के अलावा कल इफ्तारी के लिए भी खजूर, फल और दूसरे सामान की खरीदारी का भी दौर तेज हो गया। शाम को मस्जिदों में तराबीह की नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। इसके साथ ही एक माह तक तराबीह के साथ रोजा व नमाज की पाबंदी के साथ यह माह शुरू हुआ। आलिमे दीन ने बताया कि रमजान बरकतों के साथ रहमतों का भी महीना है और इस माह में की जाने वाली इबादत का कई गुना फल मिलता है। 19 फरवरी से रमजान शुरू होने के बाद अब आखिरी रोजा 20 मार्च को होगा। इस दौरान पांच जुमे 20 फरवरी, 27 फरवरी, 6 मार्च, 13 मार्च और 20 मार्च को पड़ेंगे। इस हिसाब से इस बार आखिरी रोजा अलविदा जुमा के दिन होने की संभावना है। ऐसे में इस बार रमजान के साथ ही बीच में होली का भी त्यौहार तीन और चार मार्च को पड़ेगा। इसके चलते पुलिस प्रशासन ने तमाम सतर्कता बरतने के साथ सभी थानों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है।

चाट खाने आए युवक ने दो दुकानदारों को चाकू मारे

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। झांसी की रानी के पास चाट की दुकान पर पत्ता फेंकने को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने दुकान मालिक को चाकू मार दिया गया। आरोपी को पकड़ने आए दूसरे दुकानदार पर हमला कर दिया। शोर-शराबा होने पर भीड़ ने आरोपी को दबोच लिया। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को पकड़कर ले गयी। मोहल्ला प्रेमपुरी का रहने वाला सोनू झांसी की रानी पर चाट का ठेला लगाता है, जबकि उसके मोहल्ले का जगमाल चाय की दुकान चलाता है। बुधवार को दोपहर के समय एक युवक चाट की दुकान पर चाट खाने के लिए आया और चाट खाने के बाद उसने पत्ता सड़क पर फेंक दिया। इस पर दुकानदार ने चाट के खाली पत्ते को कूड़ेदान में फेंकने के लिए कहा, तो इस बात पर उसने ठेले से चाकू उठाकर सोनू पर हमला कर दिया। घटना को देख दूसरा दुकानदार जगमाल आरोपी को पकड़ने के लिए पहुंचा, तो आरोपी ने दूसरे दुकानदार के सिर में भी चाकू मार दिया। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों ने आरोपी को दबोच लिया। मामले की सूचना पर थाना सिविल लाइन पुलिस को दी गयी तो पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी कासिफ पुत्र सत्ता निवासी खालापार टंकी को पकड़कर थाने पर ले आयी। पुलिस का कहना कि तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पिछले एक सप्ताह से डिवाइडरों के बराबर में पड़ा है मलबा, खुदे पड़े हैं गड्ढे

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। शहर की लाइफलाइन कहे जाने वाले मुजफ्फरनगर-मेरठ रोड पर इन दिनों राहगीरों का सफर जान जोखिम में डालकर कट रहा है। सड़क के बीचों-बीच बने डिवाइडरों के सौंदर्यकरण या मरम्मत के नाम पर पिछले एक सप्ताह से खुदाई का काम तो किया गया, लेकिन काम को अधूरा छोड़ दिया गया है। आलम यह है कि डिवाइडरों के पास मलबे के ढेर लगे हैं और गहरे गड्ढे खुदे पड़े हैं, जो किसी बड़े हादसे को दावत दे रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि व्यस्त मार्ग होने के बावजूद कार्यदायी संस्था या प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। नियमानुसार, निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग या रेडियम साइन बोर्ड होने चाहिएं, लेकिन यहाँ दूर-दूर तक ऐसा कुछ नजर नहीं आता, जबकि रात के समय इससे होने वाला खतरा दोगुना बढ़ जाता है। स्ट्रीट लाइट की कम रोशनी में दोपहिया वाहन चालकों को सड़क किनारे पड़ा मलबा और गड्ढे दिखाई नहीं देते, ऊपर से धूल से परेशान राहगीर किसी तरह बचते हुए निकलते नजर आते हैं। बिखरे हुए मलबे और मिट्टी के कारण उड़ने वाली धूल से वाहन चालकों को आंखों में काफी दिक्कत हो रही है, जिससे टकराने का अंदेशा बना रहता है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी न तो मलबा हटाया गया और न ही गड्ढों को भरने या उचित घेराबंदी करने की जहमत उठाई गई है। भारी वाहनों के गुजरने के दौरान छोटे वाहन चालकों के साथ हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है।

प्रशासनिक लापरवाही, मुजफ्फरनगर-मेरठ रोड पर खुदे डिवाइडर बने 'डेथ ट्रैप', मंडरा रहा हादसों का खतरा

मायावती ने यूपी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का किया एलान

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अकेले यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि इन दिनों लोकतंत्र एवं संविधान को मजबूती प्रदान करने के बजाय 'अर्टिफिशयल इंटेलिजेंस' (एआई) को सफलता की कुंजी बताने की स्वार्थी चर्चाएं चल रही हैं। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यूपी में जैसे-जैसे चुनाव पास आएंगे, जो लोग हमारे खिलाफ हैं, वे हमें सत्ता से दूर रखने की और भी कोशिश करेंगे। हमारे खिलाफ साजिश करेंगे। सिर्फ यूपी में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सभी 'अंबेडकरवादियों' को बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का आत्म-सम्मान पाने के आंदोलन को मजबूत करने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बसपा के यूपी विधानसभा चुनाव गठबंधन में लड़ने की बात फेक न्यूज है। यह बिल्कुल गलत, झूठ, हवा-हवाई व मनगढ़ंत है। बसपा अकेले अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। बसपा के लोगों को यह अच्छी तरह से मालूम है कि कांग्रेस, सपा व भाजपा आदि पार्टियों की सोच संकीर्ण व अंबेडकर विरोधी है। ये लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ही इस प्रकार की घिनौनी साजिशें करते रहते हैं। पार्टी समर्थक और कार्यकर्ता हाथी की मस्त चाल चलते रहें। 2007 की तरह ही अकेले चुनाव लड़कर फिर से बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं। बसपा सुप्रीमो ने दिल्ली के बंगले पर कहा कि मेरी सुरक्षा के हिसाब से लंबे समय बाद टाइप-8 बंगला अलाट हुआ है। इसे मैंने स्वीकार कर लिया है। लेकिन, कुछ लोग इसके बारे में भी गलत व गुमराह करने वाली बातें फैला रहे हैं। इससे भी लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

मकान में लगी आग से घर में रखा सिलेण्डर तेज धमाके के साथ फटा

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। मंगलवार देर रात शहर कोतवाली क्षेत्र के शाहबुद्दीनपुर रोड पर एक कच्चे मकान में आग लग गयी, जिससे मकान में रखा गैस सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना भयावह था कि मकान की छत और सीमेंट की चादरों के टुकड़े दूर तक गिरे। दमकल विभाग ने मौके पर पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आसपास के क्षेत्र में धमाके के कारण अफरा तफरी मच गयी। मंगलवार देर रात लगभग एक बजे शाहबुद्दीनपुर रोड पर एक कच्चे मकान में आग लग गयी। आग लगने से मकान में रखा गैस का सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया, जिससे मकान में छत उड़ गयी। छत में प्रयुक्त सीमेंट की चादरों के टुकड़े दूर तक जा गिरे। आग से मकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जाता है कि मकान में अमन व उसकी मां ऊषा रह रही थी। घटना के समय दोनों मकान में मौजूद नहीं थे, दोनों उज्जैन गए हुए थे, जिस कारण कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया गया है।

पंखे से लटका मिला विधवा का शव

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। खतौली के जावन गांव में एक विधवा का शव घर के कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। शव मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गयी और पुलिस को इसकी सूचना दी गयी। पुलिस शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए ले गयी और मामले की जांच शुरू कर दी। बताया जाता है कि रीना की शादी वर्ष 2016 में जीवन गांव में हुई थी। वह मेरठ की निवासी है और 2020 में उसकी पति की मौत हो चुकी है, जिसके बाद वह अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ अपने ससुराल में ही रह रही थी। रीना की मौत के बाद रीना के भाई अमित कुमार पुत्र ओमप्रकाश ने ससुराल पक्ष पर रीना को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। अमित का बताना है कि प्रताड़ित करने के साथ-साथ पूर्व में भी रीना के साथ मारपीट हो चुकी है और परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी की फांसी पर लटकाकर हत्या की गयी है। खतौली थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल का कहना है कि पीड़ित परिवार को जांच के बाद हर हाल में न्याय मिलेगा। मौत के सही कारणों का पता भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस ने उक्त मामले में गहनता से जांच शुरू कर दी है।

18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार तितावी थाना क्षेत्र के मांडी गांव की निवासी 18 वर्षीय राफिया पुत्री फारुख ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर गए हुए थे, जबकि उसकी मां रसोई में खाना बना रही थीं। इसी दौरान युवती अपने कमरे में चली गई और फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब परिजनों को आभास हुआ तो उन्होंने कमरे में जाकर देखा, जहां वह फंदे से लटकी मिलीउसका शव फांसी पर लटका देख परिजनों की चीख निकल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्नी की आंख फोड़ी, सिर में 24 टांके

शामली,18 फरवरी (बु.)। जनपद की सदर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने अपने परिवार के साथ एसपी कार्यालय में शिकायत पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कि उसके पति और सास ने एक सप्ताह पहले उसकी बुरी तरह पिटाई की थी, जिससे उसके चेहरे और सिर पर करीब 24 टांके आए हैं। पीड़िता ने बताया कि इस मारपीट के कारण उसकी दोनों कानों से सुनने की क्षमता भी कम हो गई है। उसका आरोप है कि पुलिस ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। शामली एसपी ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। यह पूरा मामला शामली कोतवाली क्षेत्र के धीमानपुरा फाटक के पास का है। प्रार्थिया ईशा संगल, पुत्री स्वर्गीय अजय संगल, की शादी आठ वर्ष पहले हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। ईशा संगल का आरोप है कि शादी के समय से ही उसके पति और सास खुश नहीं थे। इसी बात को लेकर उन्होंने उसके साथ मारपीट की।

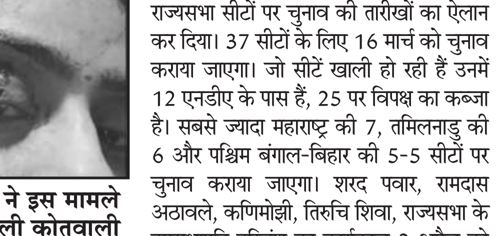

जीएसटी चोरी में कारण ही नहीं, गिरफ्तारी का लिखित आधार बताना भी जरूरी

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जीएसटी चोरी मामले में गिरफ्तारी का कारण बताना ही पर्याप्त नहीं है, उसका लिखित आधार देना जरूरी है। इस प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने पर कोई भी गिरफ्तारी अवैध होगी। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने मेरठ के व्यापारी जय कुमार अग्रवाल की गिरफ्तारी को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। मामले के मुताबिक 29 दिसंबर को महानिदेशक जीएसटी की विजलेंस गाजियाबाद की टीम ने याची के घर की तलाशी ली थी। इसके बाद 16 जनवरी को जीएसटी चोरी के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मेमो में गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया गया था।

राज्यसभा की 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

नई दिल्ली,18 फरवरी (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्ष का कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि वोट डालते समय केवल रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिए गए तय मानक का वॉयलेट रंग का स्केच पेन ही इस्तेमाल होगा। किसी अन्य पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में ईवीएम और वीवीपैट को लेकर जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। आयोग के मुताबिक 5 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में 1.20 लाख से ज्यादा लोगों ने डेमो कैंप में हिस्सा लिया। 1.16 लाख से ज्यादा लोगों ने मॉक वोट डाले। 10 फरवरी तक 29 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन लोकेशन मोबाइल डेमो वैन से कवर किए जा चुके हैं। यह अभियान ईवीएम डेमो सेंटर और मोबाइल वैन के जरिए चलाया जा रहा है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी एआई समिट से बाहर

नई दिल्ली,18 फरवरी (एजेंसी)। चीनी रोबोट और कोरियन ड्रोन को अपना प्रोजेक्ट बताने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक्सपो से बाहर निकाल दिया गया है। आयोजकों ने पहले यूनिवर्सिटी के पवेलियन की बिजली काटी, फिर ताला लगाकर बेरीकेडिंग कर दी गई। यह कार्रवाई उस वीडियो के वायरल होने के बाद हुई है, जिसमें यूनिवर्सिटी ने एक चाइनीज कंपनी के रोबोटिक डॉग को अपनी खुद की खोज बताया था। चीनी रोबो डॉग के साथ ही यूनिवर्सिटी ने कोरियन कंपनी के एक ड्रोन को भी अपना बताया था। इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने कहा कि सरकार ने देश की इमेज खराब की है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह भारत के लिए वाकई शर्मिंदगी की बात है। चीन की कंपनी यूनिट्री ने इस रोबोटिकक डॉग को बनाया है, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इसे अपना इंवेंशन बताया था। चीन की कंपनी यूनिट्री ने इस रोबोटिकक डॉग को बनाया है, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इसे अपना इंवेंशन बताया था। वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह कह रही हैं कि इस रोबोटिक डॉग का नाम 'ओरियन' है। इसे गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। उन्होंने ये भी कहा कि यूनिवर्सिटी अक के क्षेत्र में 350 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद कई टेक एक्सपर्ट्स और यूजर्स ने दावा किया कि यह असल में चीनी कंपनी 'यूनिट्री' का 'जी ओ 2' मॉडल है, जो बाजार में 2-3 लाख रुपए में उपलब्ध है। वहीं एक अन्य वीडियो में यूनिवर्सिटी जिस ड्रोन को कैंपस में 'शुरूआत से' तैयार करने का दावा कर रही हैं, उसे यूजर्स ने ?40 हजार वाला रेडीमेड 'स्ट्राइककर बी 3 एआरएफ मॉडल बताया है। एआई समिट में हुई इस घटना के लिए गलगोटिया यूनिवर्सिटी माफी मांगी है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि उनके स्टॉल पर मौजूद एक प्रतिनिधि को प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी नहीं थी। कैमरे के सामने आने के उत्साह में उस लड़की ने कुछ गलत टेक्निकल जानकारियां दे दीं, जबकि उसे मीडिया से बात करने की इजाजत भी नहीं थी। वीडियो वायरल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने कहा- हमने लगातार कैंपस में बेहतरीन टेक्नोलॉजी लाने की कोशिश की है। क्यों? क्योंकि जब छात्र नई चीजें देखते हैं, तभी उनकी सोच विकसित होती है। और यही सोच नए रचनाकारों को जन्म देती है। हाल ही में यूनिट्री से लिया गया रोबोटिक डॉग इसी सफर का एक हिस्सा है। यह सिर्फ दिखाने के लिए रखी गई कोई मशीन नहीं है, यह एक चलता-फिरता क्लासरूम है। हमारे छात्र इस पर प्रयोग कर रहे हैं, इसकी क्षमताओं को परख रहे हैं और इस प्रक्रिया में अपना ज्ञान बढ़ा रहे हैं। हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि गलगोटिया ने यह रोबोटिक डॉग नहीं बनाया है और न ही हमने कभी ऐसा दावा किया है। लेकिन हम ऐसे दिमाग तैयार कर रहे हैं जो जल्द ही भारत में ऐसी ही टेक्नोलॉजी को डिजाइन करेंगे, उनकी इंजीनियरिंग करेंगे और उन्हें यहीं बनाएंगे। इनोवेशन की कोई सीमा नहीं होती। सीखने की भी नहीं होनी चाहिए। हम दुनियाभर से बेहतरीन टेक्नोलॉजी लाना जारी रखेंगे ताकि हमारे छात्र उनका अध्ययन कर सकें, उन्हें चुनौती दे सकें और उनमें सुधार कर सकें और अंत में वर्ल्ड-क्लास समाधान तैयार कर सकें।

पहले चीनी रोबोट, फिर ड्रोन को अपना बताया, फिर मांगी माफी

युवती की हत्या या आत्महत्या में उलझी पुलिस

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। रेत्ता नगला में सोमवार की शाम एक 21 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत पर पुलिस हत्या या आत्महत्या में उलाी हुई है। बताया गया है कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की। छपार इलाके के रेत्ता नगला निवासी शालू नाम की युवती का शव घर के अंदर मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने इसे आत्महत्या बताया। शालू की मां और परिवार का कहना है कि उसने फांसी लगाई थी। मां ने तुरंत रस्सी काटकर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सीओ सदर डॉ. रविशंकर मिश्रा भारी पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। उसका कहना है कि गले के निशान और कमरे की स्थिति में विरोधाभास नजर आ रहा है, जिससे मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने से पहले फॉरेंसिक टीम से गहन जांच कराई। मृतका शालू के पिता राजकुमार की कई साल पहले मौत हो चुकी थी। घर में मां, तीन भाई और एक बहन हैं। सीओ सदर डॉ. रविशंकर मिश्रा ने साफ किया है कि मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध है। उन्होंने कहा, जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आती, हम कुछ भी नहीं कह सकते। हम हत्या और आत्महत्या, दोनों एंगल्स से जांच कर रहे हैं।

1973-2026

सम्पादक की क़लम से

संस्कृति की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला

धर्म के प्रचार-प्रसार के अधिकार की आड़ में,लालच देकर या धोखाधड़ी के जरिये धर्मान्तरण कराने वालों के मंसूबों पर पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने और अब सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेर दिया। संविधान के तहत सभी को अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने का अधिकार है। उसी प्रकार सभी को अपनी परम्परा और संस्कृति की रक्षा करने का अधिकार भी है। धर्म के प्रचार प्रसार करने की आड़ में लालच देकर या धोखाधड़ी के जरिये धर्मान्तरण कराने वाले, धर्म के प्रचार के अधिकार को धर्मान्तरण कराने का अधिकार मान बैठे थे या इस अधिकार का षड्यंत्र की मानसिकता के कारण दुरूपयोग करते थे, उनके इस भ्रम को अथवा षड्यंत्र को पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तोड़ा, फिर सुप्रीम कोर्ट ने तोड़ दिया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है, परम्परा और संस्कृति की रक्षा के अधिकार को बल देता है। यह फैसला धर्म-प्रचार की आड़ में धर्मान्तरण के अपराध को स्पष्ट करता है। जनजातीय लोगों में हैरानी इस बात पर जताई जा रही है कि कैसे एक आपराधिक कृत्य अथवा धूर्तता को अधिकार बनवाने के लिए कुछ अपराधी और धूर्त-चित्त के लोग,सुप्रीम कोर्ट तक चले गए? इस बात का चर्चा देश भर में है और परम्परा और संस्कृति की रक्षा का जो कदम छत्तीसगढ़ से उठा है वह सारे देश के उन सभी लोगों को जागृत करेगा, जो धर्म-प्रचार की आड़ में धर्मान्तरण कराने वालों के षड़यंत्र का शिकार हो जाते हैं। कांकेर सहित बस्तर के 14 से अधिक गांवों में पास्टर,पादरियों और धर्मांतरित ईसाईयों के प्रवेश पर रोक लगाने के पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। कांकेर जिले के 14 गांवों में पास्टर और पादरियों के प्रवेश को लेकर विवाद हो चुका है। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, धर्म-परिवर्तन की घटनाओं के बाद उन्होंने परंपरा और संस्कृति की रक्षा के नाम पर यह कदम उठाया था। इस अभियान की शुरूआत अगस्त 2025 में कुड़ाल गांव से हुई थी, जहां ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर गांव की सीमा पर पास्टर और पादरियों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद 14 गांवों में यह अभियान फैल गया। इन पोस्टर के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में भी केस दायर किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के कुछ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश के मामले में याचिका खारिज कर दी है। गांव के बाहर बोर्ड लगाए गए हैं कि पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों की रोक से संबंधित होर्डिंग के मामले में हाईकोर्ट ने फैसला दिया था, जिसके बाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इस तरह के होर्डिंग को हटाने के अनुरोध वाली दो अलग-अलग याचिकाओं का पिछले साल अक्टूबर में निपटारा कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि लालच या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण पर लगाम लगाने के लिए होर्डिंग लगाने के कदम को असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता के समक्ष सुनवाई के लिए आई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने पादरियों पर कथित हमलों से संबंधित एक अलग मामले का हवाला दिया, जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष दायर याचिका सीमित थी, लेकिन याचिकाकर्ता ने अब सर्वोच्च न्यायालय में दायर अर्जी में कई नये तथ्य और दस्तावेज शामिल किए हैं। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में ग्राम सभाओं द्वारा लगाए गए धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध वाले बोर्डों को सुप्रीम कोर्ट ने भी मंजूरी दे दी है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने ईसाई मिशनरियों की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पेसा कानून पंचायत विस्तार अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम 1996 के तहत ग्राम सभाएं अपने सामाजिक-सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए सक्षम हैं। इससे पेसा के अधिकारों को और मजबूती मिली है। ग्राम पंचायतों ने गांव की सीमा पर बोर्ड लगाए थे, जिनमें लिखा था कि गांव पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है, पेसा लागू है और ग्राम सभा अपनी परंपरा, संस्कृति, जनजातीय पहचान की रक्षा कर सकती है। बोर्डों में ईसाई पास्टर्स और अन्य गांवों से आए धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी, ताकि प्रलोभन या धोखे से जबरन धर्मांतरण न हो सके। हाईकोर्ट ने बोर्डों को असंवैधानिक नहीं माना और कहा कि ये एहतियाती उपाय हैं, जो आदिवासी संस्कृति और विरासत की रक्षा के लिए लगाए गए। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि पेसा और पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अपनी संस्कृति बचाने का पूरा अधिकार है। हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट की मुहर से ग्राम सभाओं की जीत हुई है। दूसरी तरफ द कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया ने उन धर्मांतरण-विरोधी कानूनों को रद्द करने की मांग की है, जो संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत दी गई धार्मिक स्वतंत्रता के अनुरूप नहीं हैं। पिछले हफ़्ते ही सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण-विरोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका पर दर्जन भर राज्यों और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। सीबीसीआई के निवर्तमान अध्यक्ष आर्कबिशप एंड्रयूज थाजथ की अपनी चिन्ता है उन्होंने कहा कि ईसाई समुदाय के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि कुछ राज्यों में कानूनों का अक्सर दुरुपयोग होता है। कानून तो हैं, लेकिन धर्म की स्वतंत्रता के नाम पर उनका गलत इस्तेमाल हो रहा है, झूठे केस दर्ज किए जा रहे हैं। आर्कबिशप एंड्रयूज ने यह भी कहा कि हम कोई विदेशी धर्म नहीं हैं। हम भारतीय धर्म हैं। पहली सदी ही से भारत में ईसाई मौजूद हैं, हमने राष्ट्र-निर्माण में किसी भी समुदाय से ज्यादा योगदान दिया है और हम भारतीय नागरिकों के रूप में राष्ट्र के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। यह विचार अपनी जगह है, किन्तु धर्म के प्रचार-प्रसार और लालच देकर धर्मान्तरण के भेद को स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने बहुत हद तक यह भेद स्पष्ट कर दिया है। जैसे, सभी को धर्म के प्रचार-प्रसार का अधिकार है, वैसे ही सभी को अपनी परम्परा और संस्कृति की रक्षा करने का भी अधिकार है।

चार तीर

सुनील उत्सव

'निर्माण' 'विध्वंस' 'गलत' 'नेता'

कहीं निर्माण होता है, तो वो विध्वंस कहता है,
गलत दल का गलत नेता, गलत बातें ही करता है।
जुटे हैं लोग दुनिया के, तमाशा वो बताता है,
गलत दल का गलत नेता, गलत बातें ही करता है।

किसान दिवस बना संगठनों के शक्ति प्रदर्शन का केंद्र, लगे नारे

▶ समस्या निदान के नाम पर हो रही अफसरों की अदला-बदली, ▶ जिला पंचायत सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। योगी सरकार की पहल पर किसानों की समस्याओं का निस्तारण करने के उद्देश्य से तृतीय बुधवार को किसान दिवस आयोजित किया गया। जनपद स्तर पर जिला पंचायत सभागार में एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें कृषकों को गत किसान दिवस की शिकायतों के निस्तारण की जानकारी देते हुए किसानों को कृषि एवं कृषि से जुड़े विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गयी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न किसान दिवस में किसानों द्वारा जनपद के समस्त गन्ना तौल केन्द्रों की जांच कराने एवं जल निगम से अधिकांश ग्रामों के रास्तों को पुनः ठीक कराने की मांग की। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रहे उत्पीड़न को रोके जाने के साथ विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर मृतकों के विरुद्ध भी मुकदमे दर्ज कराने के गंभीर आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की। इसके साथ भोपा और जौली मार्ग पर बीमारियों को आमंत्रण देने के लिए प्रदूषण को जिम्मेदार ठहराते हुए इसके लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में वायु एवं जल प्रदूषण के कारण कैंसर जैसी बीमारियों ने दर्जनों परिवारों को असमय मौत की नींद सुला दिया और सैकड़ों लोग जीवन और जिंदगी के बीच संघर्षरत हैं। उन्होंने क्षेत्र की इस समस्या के स्थाई निदान कराए जाने की जरुरत पर जोर दिया। किसान दिवस में टूटी सड़कें, पेय जल आपूर्ति, सिंचाई और कृषि विभाग की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाते हुए सुधार किए जाने की मांग की। किसान दिवस में पहुंची एक महिला ने कृषि विभाग के अधिकारियों से जनपद में कृषि विभाग से जुड़ी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए इसमें सुधार की मांग की। इस दौरान किसान दिवस में अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि गन्ना तौल केन्द्रों की जाँच एवं जल निगम द्वारा क्षतिग्रस्त रास्तों को ठीक कराया जायेगा। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत से सम्बन्धित समस्याओं में अपना व्यक्तिगत ध्यान देकर समस्याओं को निस्तारण कराया जाये तथा निस्तारण आख्या की सॉफ्ट कापी जन शिकायत मोबाईल ऐप पर अपलोड करने व हार्ड कापी उप कृषि निदेशक कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

किसान दिवस में महिला बोली, झाड़ू-पोंछा करने वाली महिलाओं को तो नहीं मिलते आवास, जिनके पास पहले से ही मकान है, उन्हें मिल रहे सरकारी आवास

- किसान दिवस में गूंजी पहली बार महिला किसान की आवाज, तीखे सवालों को सुन सन्न रह गए अधिकारी।

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। चौ. चरण सिंह सभागार में आयोजित 'किसान दिवस' उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब एक महिला किसान ने प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के चयन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। सोनिया सैनी नामक महिला किसान ने न केवल आवास योजना की खामियों को उजागर किया, बल्कि कृषि विभाग की कार्यप्रणाली को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। सोनिया ने गंभीर आरोप लगाये और कहा कि "गरीब को नहीं, अमीरों को मिल रहे मकान" सभागार में मौजूद अधिकारियों के सामने सोनिया सैनी ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि आज भी वह महिलाएं, जो दूसरों के घरों में झाड़ू-पोंछा कर अपनी गुजर-बसर करती हैं, एक पक्की छत के लिए तरस रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी आवास उन लोगों को बांटे जा रहे हैं, जिनके पास पहले से ही आलीशान मकान हैं। सोनिया के इस सवाल पर सभागार में सन्नाटा पसर गया और मंच पर मौजूद "साहब" कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सोनिया ने कृषि विभाग की तैयारियों की भी पोल खोलकर रख दी। आवास के साथ-साथ सोनिया ने कृषि विभाग को भी घेरा। उन्होंने पूछा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए विभाग के पास क्या ठोस योजनाएं हैं? हैरानी की बात यह रही कि महिला सशक्तिकरण का दावा करने वाले विभाग के पास इस सवाल का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं था। इतना ही नहीं, जब सोनिया ने गोबर के सदुपयोग और उससे जुड़ी स्वरोजगार की तकनीक के बारे में जानकारी चाही, तो विभाग की ओर से मंच पर बैठे जिला कृषि अधिकारी राहुल तेवतिया की आवाज आई कि आप अपना नंबर बता दीजिए, मैं आपको सारी योजनाएं भेज दूंगा। हालांकि इस दौरान एडीएम प्रशासन संजय सिंह सहित कई विभागीय अधिकारी इस दौरान मंच पर आसीन थे। कोई भी विशेषज्ञ उन्हें सही जानकारी देने में सक्षम नजर नहीं आया। किसान दिवस का आयोजन किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए किया जाता है, लेकिन सोनिया सैनी के सवालों ने यह साबित कर दिया कि योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुँचाने में पारदर्शिता की कमी है। कृषि विभाग के पास महिलाओं के लिए कौशल विकास की योजनाओं का अभाव है। जैविक खाद और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे बुनियादी विषयों पर भी विभागीय अमला अपडेट नहीं है। अब देखना यह है कि प्रशासन सोनिया सैनी द्वारा उठाए गए इन वाजिब सवालों पर क्या संज्ञान लेता है या फिर हर बार की तरह मामला कागजों में ही सिमट कर रह जाएगा।

टाउनहाल में मुख्य अभियंता ने किया वाटर कूलर प्याऊ का उद्घाटन

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। नगरीय विद्युत वितरण खंड टाउनहाल में आने वाले विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बुधवार को विद्युत नगरीय वितरण खण्ड (वाणिज्य-1 व 2) टाउनहॉल परिसर में वाटर कूलर प्याऊ का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियन्ता वितरण विनोद कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। टाउनहाल परिसर में आयोजित वाटर कूलर प्याऊ कार्यक्रम में इस दौरान अधिशासी अभियन्ता (वाणिज्य-1), अधिशासी अभियन्ता (तकनीकी) सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता में शामिल है। उउन्होंने कहा कि टाउनहॉल परिसर में स्थापित यह वाटर कूलर आने वाले गर्मी के मौसम में विद्युत उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से रामअवतार, राजेश गोयल एवं अंकुर गोयल को एक निजी स्कूल प्रबंधन की ओर से टाउनहॉल प्रांगण में वाटर कूलर सप्रेम भेंट किया गया। इस दौरान उन्होंने मुख्य अभियन्ता एवं अधिशासी अभियन्ता को बुके एवं गुलाब पुष्प भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्य अभियन्ता विद्युत विनोद कुमार ने विद्यालय प्रबंधन एवं प्रतिनिधियों के इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वास्तव में ऐसे कार्य समाज और संस्थानों की सहभागिता से ही जन सुविधाओं का विस्तार संभव है।

माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ

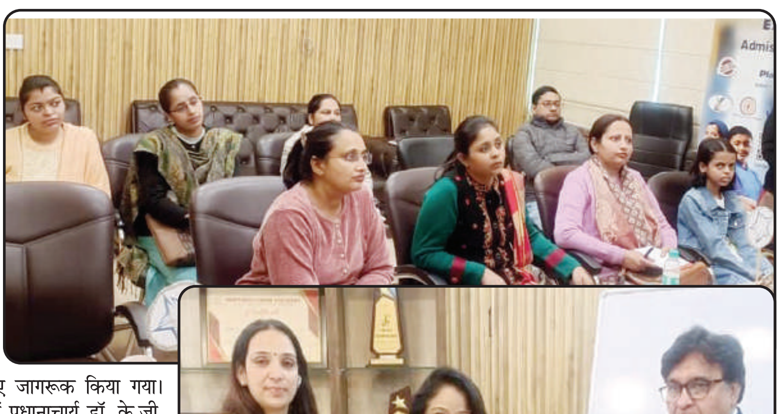

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बुस.)। लिंक रोड स्थित माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों को सरकार के निर्देशानुसार एल्बेंडाजोल टैबलेट का सेवन कराया गया। इस अवसर पर बच्चों को कृमि संक्रमण से होने वाली समस्याओं, उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव तथा कृमि मुक्ति के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छता अपनाने, नियमित हाथ धोने, साफ पानी पीने एवं संतुलित व पौष्टिक भोजन करने के लिए जागरूक किया गया। विद्यालय की निर्देशिका चारु भारद्वाज एवं प्रधानाचार्य डॉ. के.जी. अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ बनाकर एक सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने एल्बेंडाजोल टैबलेट के नियमित सेवन को बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक बताया तथा सभी छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की सलाह दी। विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

चेयरपर्सन ने शहर को दी स्वच्छ हवा की सौगात, डलावघर को विकास की नई तस्वीर में बदला

- शहर में 3 अत्याधुनिक एयर मिस्ट टावर जनता को समर्पित

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। नगर पालिका चेयरपर्सन की विकासशील सोच ने नगरीय क्षेत्र को गन्दगी से निजात दिलाने के साथ विकास की रोशनी से चकाचौंध करने का काम किया, ऐसा ही नजारा बुधवार कों देखने को मिला, जब अस्पताल के बाहर मुख्य मार्ग पर पूर्व कूड़ा डलावघर स्थल पर वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए स्थापित एयर मिस्ट टावर का लोकार्पण कर इसको जनता को समर्पित किया। चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने कूड़ामुक्त शहर के अपने संकल्प को विकास के बूते सार्थक बनाने की दिशा में एक नई सौगात नगर की जनता को देने का काम किया है। ऐसे में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए शहर में अब स्वच्छ हवा के लिए पालिका ने कदम बढ़ाते हुए गंदगी स्थलों को स्वच्छता व विकास की तस्वीर में बदला गया है। चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप की पहल पर जलकल विभाग द्वारा शहर के तीन स्थानों पर एयर मिस्ट टावर स्थापित किये गये, जिनका बुधवार को चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह के साथ विधिवत उद्घाटन किया। राज्य वित्त आयोग से प्राप्त निधि के अंतर्गत करीब 1 करोड़ रुपये की लागत से शहर के तीन प्रमुख स्थानों पर ये एयर मिस्ट टावर स्थापित किए गए हैं। इनमें जिला अस्पताल रुड़की रोड मुख्य मार्ग, कम्पनी बाग के बाहर मेरठ रोड व भोपा रोड गांधी पॉलिटेक्निक के पास के नाम शामिल हैं। इनमें से कंपनी बाग व जिला अस्पताल पर पूर्व में कूड़ा डलावघर स्थापित थे। प्रदूषण नियंत्रण विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए शहर में ऐसे स्थान चयनित किए गए, जहां प्रदूषण की स्थिति अधिक पाई गई। इन्हें प्रदूषण के हॉट स्पॉट के रूप में चिन्हित कर वहां मिस्ट टावर लगाए हैं। यह टावर सेंसर आधारित प्रणाली पर कार्य करेगा। इसमें जैसे ही एक्यूआई में गिरावट या धुंधयुक्त प्रदूषण की स्थिति बढ़ेगी, उक्त टावर स्वचालित प्रणाली से चालू हो जाएगा। यह 30 मिनट में लगभग 250 मीटर क्षेत्र को कवर करके सूक्ष्म जलकणों के माध्यम से धूल कणों को नियंत्रित करते हुए हवा को स्वच्छ बनाने में अहम भूमिका निभायेगा। स्थापना के बाद एक वर्ष तक संबंधित अधिष्ठाता कंपनी ही इन टावरों का संचालन एवं रखरखाव करेगी। 24 घंटे की व्यवस्था के तहत एक ऑपरेटर व एक सुरक्षा गार्ड तैनात रहेगा। टावर के लिए 5 हजार लीटर क्षमता का मुख्य जल टैंक स्थापित किया गया है, जबकि 2 हजार लीटर अपशिष्ट जल टैंक अलग से बनाया गया है। इस अपशिष्ट जल का उपयोग सड़क डिवाइडर पर लगे पौधों की सिंचाई में किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।उधर इस सम्बन्ध में चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने लोकार्पण अवसर पर बताया कि यह योजना शहर के लिए अत्यंत सराहनीय है। इसमें जो स्थान पूर्व में कूड़ा डलावघर के रूप में गंदगी के प्रतीक बन चुके थे, वहां विकास की नई तस्वीर सामने आई है। एयर मिस्ट टावर वायु प्रदूषण नियंत्रण में बड़ी भूमिका निभाने के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार लाने का कार्य करेगा। आगे भी ऐसे प्रयास जारी रखते हुए शहर को कूड़ामुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में किार्य किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रयास की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इससे वायु प्रदूषण की समस्या में ठोस कमी आएगी और आमजन को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। इस दौरान मुख्य रूप से ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह, सभासद इरशाद अंसारी व जलकल एई अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों के 5% आरक्षण का आदेश रद्द

मुंबई,18 फरवरी (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट ने मंगलवार को एक सरकारी रेजोल्यूशन जारी किया। इसके जरिए सरकार ने अपने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को कैंसिल कर दिया। जिसमें मुस्लिम कम्युनिटी को एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट नौकरियों में 5% रिजर्वेशन देने की बात कही गई थी। हालांकि पिछले 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है क्योंकि 2014 में कांग्रेस सरकार की तरफ से लाया गया अध्यादेश तय समय (6 हफ्ते) में विधानसभा से पास नहीं कराया जा सका, जिससे यह खुद ही इनवैलिड हो गया था। जुलाई 2014 में कांग्रेस-एनसीपी की गठबंधन की सरकार थी। अक्टूबर 2014 में सरकार बदल गई। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा-शिवसेना सरकार बनी। नई सरकार ने नौकरी वाले मुस्लिम आरक्षण को आगे नहीं बढ़ाया।

SILVER OAK PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi (Sr. Secondary School)
STAFF REQUIREMENT
(ACADEMIC YEAR 2026-2027)

PRT - ALL SUBJECTS	TGT - ENGLISH, SOCIAL SCIENCE
PGT - BIOLOGY, PHYSICS, CHEMISTRY, YOGA	RECEPTIONIST

STAFF BUS FACILITY AVAILABLE
Please send the resume at E-mail of the School given below
E-mail : sops2010mzn@gmail.com or
WhatsApp Biodata : 9927087112
Campus - 6 KM Stone, Shamli Road, Pinna, MZN

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण-पत्र संख्या 10640, दिनांक 5/8/2025 में इंशाना चौधरी गलती से अंकित करा दिया गया है। जबकि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम वामिका है और भविष्य में भी मेरी पुत्री को वामिका के नाम से ही जाना व पहचाना जायेगा।
दीपा बालियान पत्नी कपिल
निवासी- नया मकान, निकट आर.एस.डी. पब्लिक स्कूल,रूड़की रोड, नॉर्थ रामपुरी, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी, (बु.)। मुजफ्फरनगर सर्राफा बाजार के भाव इस प्रकार रहेः-

सोना-	157200	चांदी-	245000
सिक्का-	2545	गिन्नी-	114265

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा
मुजफ्फरनगर बुलेटिन
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने पुनीत जैन, सचिव विनीत जैन

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन की बुधवार को आम सभा आगामी सत्र-2026-27 के लिए आयोजित की गई। इस बैठक में सर्व सम्मति से पुनीत जैन जितेन्द्र एजेंसीज नेहा मेंहदी वालों को अध्यक्ष के रूप में चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष पुनीत जैन ने कहा कि संगठन का कार्य वितरक बंधुओं के हितों की रक्षा करते हुए अपने कार्य को आगे बढ़ाना है। इस दौरान युवा शक्ति द्वारा एसोसिएशन को मजबूत बनाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। मुजफ्फरनगर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष पुनीत जैन, उपाध्यक्ष रामकुमार जैन, सचिव विनीत जैन, सह सचिव राकेश वाधवा, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र पालीवाल को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा सदस्य के रूप में सुखबीर सिंह रावत, आशु गुप्ता, नवीन गुप्ता, प्रभात सोबती, नीतिन आदि को जिम्मेदारी देते हुए एसोसिएशन को मजबूत बनाने की आशा भी व्यक्त की है।

तीन पंचायत सहायकों को लापरवाही की वजह से सेवा समाप्ति का नोटिस

जानसठ, 18 फरवरी (बु.)। खंड विकास कार्यालय के सहायक विकास अधिकारी धर्म सिंह ने मुझेड़ा सादात के पंचायत सहायक एजाज उलहक, बेहड़ा के पंचायत सहायक शिवम और ग्राम पंचायत सिकंदरपुर के पंचायत सहायक योगेश कुमार को सेवा समाप्ति का नोटिस भेजा है। इन पर फॉर्मर रजिस्ट्री बनवाने में रुचि न लेने, तीन माह से अनुपस्थित रहने और अन्य कार्यों में लापरवाही बरतने का आरोप है। सहायक विकास अधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि पंचायत भवनों के भौतिक सत्यापन के दौरान पाया गया कि भवन बंद हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार संबंधित पंचायत सहायक नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं। शासन की शीर्ष प्राथमिकता वाले कार्यक्रम और जिलाधिकारी के निर्देशों के बावजूद फॉर्मर रजिस्ट्री बनाने में कोई रुचि नहीं ली है। यह दर्शाता है कि तीनों पंचायत सहायक जानबूझकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। पंचायत सहायकों को प्रगति सुधारने के लिए बार-बार निर्देशित किया गया, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिला। इस कारण उनकी सेवा समाप्ति की संस्तुति सहित नोटिस जारी किया गया है। उन्हें दो दिन का समय दिया गया है कि वह अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

जेईई मेन में सफलता के लिए बेहतर वातावरण जरुरी: सुमित

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। जेईई मेन 2026 सेशन-1 में इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से गद्गद् हुए प्रबंधन ने इस उपलब्धि के लिए बच्चों की मेहनत के साथ संस्थान के अनुभवी शिक्षकों, नियमित अभ्यास एवं अनुशासित अध्ययन को जरुरी बताया। रुड़की रोड स्थित एक होटल में मीडिया से वार्ता करते हुए संस्थान के शिक्षक सुमित शर्मा ने बताया कि उनके संस्थान के नमन बंसल, अबू वैद खां, आयुष गुप्ता और अध्ययन ने 99 और 98 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ माता-पिता के साथ संस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने इन बच्चों की सफलता का श्रेय उनके माता-पिता और अभिभावकों के साथ उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम बताते हुए स्कूल के साथ कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं को बेहतर मार्गदर्शन का विकल्प बताया। इस दौरान मोहित दलाल, प्रियंका नेहरा, रंजन त्यागी, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

नामजद अभियुक्त को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया

चरथावल, 18 फरवरी (बु.)। चरथावल पुलिस ने एक नाबालिग से छेड़छाड़ और धमकी देने के मामले में नामजद अभियुक्त को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसएसपी के निर्देश पर की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी सदर और प्रभारी निरीक्षक चरथावल का पर्यवेक्षण शामिल था। पुलिस के अनुसार, यह मामला ग्राम सैदपुर कलां निवासी दीपक कुमार पुत्र जगदीश की तहरीर पर दर्ज किया गया था। तहरीर में आरोप है कि अभियुक्त ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की, उसके कपड़े फाड़ दिए और फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे की मांग की। इस संबंध में मु.अ.सं. 21/2026 धारा 333/76/78(2)/351(3)/308(2) बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। उपनिरीक्षक पंकज शर्मा ने अपनी टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त नावेद पुत्र शब्बू को गिरफ्तार किया। नावेद भी ग्राम सैदपुर कलां, थाना चरथावल का निवासी है। उसे नहर पटरी कसियारा पुलिया के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के समय अभियुक्त के पास से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अभियुक्त नावेद के खिलाफ चरथावल थाने में पहले भी लूट और अन्य आपराधिक धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

एआरटीओ में 20 व 21 फरवरी को लगेगा परिवहन मेला

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। परिवहन विभाग की ओर से जनपद के वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए 20 एवं 21 फरवरी को परिवहन कार्यालय मुजफ्फरनगर में परिवहन मेला का आयोजन किया जाएगा। यह मेला परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यूनियन बजट 2026 में लागू की एकमुश्त कर (वन टाइम टैक्स) व्यवस्था के संबंध में वाहन स्वामियों के साथ विभिन्न ट्रांसपोर्ट संगठनों को मेले में इस दौरान विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। परिवहन विभाग की ओर से आयोजित मेले में कर निर्धारण प्रक्रिया, कर गणना की विधि, भुगतान की समय-सीमा तथा संबंधित नियमों की स्पष्ट रूप से जानकारी दी जाएगी। वहीं वाहन स्वामियों की शंकाओं का यहां पर समाधान मौके पर ही किया जाएगा। इसके साथ कर भुगतान या समायोजन की सुविधा भी यहां पर प्रदान की जाएगी। एआरटीओ ने जनपद के वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर एकमुश्त कर व्यवस्था एवं अन्य परिवहन नियमों की जानकारी भी प्राप्त करें। यह परिवहन मेला 20 एवं 21 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से परिवहन कार्यालय मुजफ्फरनगर में आयोजित होगा।

रेनबो प्री-स्कूल प्रेमपुरी ने धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। मंगलवार को रेनबो प्रीस्कूल के वार्षिक समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें प्ले से यूकेजी कक्षा तक के समस्त बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रत्येक प्रस्तुति के लिए बच्चों ने बहुत उत्साह दिखाया। कार्यक्रम में सम्मिलित हुए अभिभावकों ने बच्चों की पहली मंच प्रस्तुति को हृदय से सराहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या तृप्ति जैन ने अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि इतनी कम उम्र में भी बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को कैसे विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम के बाद प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों को ट्रॉफी देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रसिद्ध योगाचार्य सुरेंद्र पाल ने अपने विचार प्रस्तुत किए और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के संचालन में अर्चना वर्मा, शिल्पी मित्तल, दिपाली बंसल, भावना वर्मा, रिया बालियान वह दिशा ठाकुर का विशेष सहयोग रहा। तृप्ति जैन ने यह भी बताया कि विद्यालय में नए सत्र 2026-27 के प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। रेनबो प्री-स्कूल सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

फर्जी कंपनी बनाकर किया करोड़ों का लेन देन

युवक ने सीओ बुढ़ाना से लगाई न्याय की गुहार

बुढ़ाना, 18 फरवरी (बु.)। एक ठग ने एक फर्जी कंपनी बनाकर एक भोले-भाले युवक के मोबाइल फोन नंबर से लगातार सात महीने तक कई करोड़ रुपयों का लेन-देन किया। युवक को इस बात का पता तब लगा जब उसका राशन कार्ड निरस्त कर दिया गया। युवक काफी दिनों से ठग को कॉल कर रहा है, लेकिन उसका नंबर स्विच ऑफ ही आ रहा है। वह किसी बड़े पचड़े में न पड़ जाए, तब उसने बुधवार को सीओ आफिस को एक प्रार्थना-पत्र देकर ठग के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर बाद सीओ ऑफिस पर आए अफसर अली पुत्र नाजर अली निवासी गांव सफीपुर पट्टी बुढ़ाना देहात लुहसाना रोड ने बताया कि वह मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। वर्तमान में उसकी लुहसाना रोड पर चाय की दुकान है। बुढ़ाना कस्बे के मौहल्ला कर्बला रोड निवासी सुहैल मलिक पुत्र यामीन दिल्ली में ठेकेदारी का कार्य करता है। सुहैल ने उससे स्थायी मजदूरी के नाम पर लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व उसका फोटो व आधार कार्ड की कॉपी ली थी तथा बैंक कर्मचारियों को अपने गोदाम पर बुलाकर खाता खुलवा दिया था और कहा था कि अब तेरी मजदूरी सीधे तेरे खाते में आती रहेगी। सुहैल ने उससे कई बार ओटीपी ली, तो वह मजदूरी के कारण सुहैल को ओटीपी देता रहा। इस दौरान उसका राशन कार्ड कट गया, तो वह बुढ़ाना पूर्ति विभाग आफिस पर गया तो पता लगा कि उसके खाते में करोड़ों रुपये का ट्रांजक्शन हो गया है। पता चला कि सुहैल द्वारा उसके नाम से एक फर्म बनायी गयी है, जिसका नाम भारत ट्रेडर्स था और उसी फर्म के नाम बिल काटे गये ओर पेमेन्ट वसूला गया, जिसमें सुहेल उससे समय-समय पर ओटीपी लेता रहा। यह अपराध गम्भीर प्रवृत्ति का है। फर्जी फर्म केवल 07 माह चलायी गयी है और बाद में समाप्त कर दी गयी, जिसका जीएसटी नंबर भी है। बुधवार के दिन पीड़ित अफसर मंसूरी ने बुढ़ाना सीओ से न्याय की गुहार लगाई है।

उत्तराखंड में अदालतों को उड़ाने की धमकी

देहरादून, 18 फरवरी (एजेंसी)। उत्तराखंड के नैनीताल समेत कई जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह कोई अचानक की गई शरारत नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी। धमकी भरा ईमेल भेजने के लिए इस्तेमाल किया गया अकाउंट 10 फरवरी को एक्टिवेट किया गया था, जबकि पहला धमकी भरा मेल 16 फरवरी को भेजा गया। यानी साजिश की स्क्रिप्ट 6 दिन पहले ही लिख दी गई थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इसी अकाउंट से सिर्फ उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि यूपी समेत अन्य राज्यों में भी मेल भेजे गए हैं। फिलहाल पुलिस असली सोर्स (आईपी एड्रेस) तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। 16 फरवरी को नैनीताल जिला एवं सत्र न्यायालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली थी। पुलिस ने तुरंत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया, लेकिन अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि अगले ही दिन (17 फरवरी) दोबारा मेल भेजा गया।

देहरादून में कार के ऊपर पलटा ट्रक : डेढ़ घंटे तक आग का गोला बनी गाड़ियां

देहरादून, 18 फरवरी (एजेंसी)। देहरादून में आज सुबह एक ट्रक अचानक बेकाबू होकर कार के ऊपर पलट गया, जिसके तुरंत बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई। हादसा दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईव पर मोहब्बेवाला चौक के पास हुआ। हादसे के वक्त ट्रक में दो लोग सवार थे। कार ड्राइवर ने कुछ समय पहले ही गाड़ी को साइड में लगाया था। हादसे के बाद लगभग डेढ़ घंटे तक कार आग का गोला बन गई, जिसके तुरंत बाद घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

आप सरपंच की डांस फ्लोर पर गोली मारकर हत्या

अमृतसर, 18 फरवरी (एजेंसी)। तरनतारन में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के सरपंच हरबिंदर सिंह (38) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार (18 फरवरी) को सिद्धू फार्म में उसन के चचेरे भाई की शादी थी। इसी दोपहर करीब ढाई बजे हमलावर बराती बनकर अंदर घुसे। जब सरपंच स्टेज पर दोस्तों के साथ डांस कर रहे थे, तो भीड़ से एक युवक निकला और उसने सरपंच को सोफे पर बैठते ही फायरिंग कर दी। हरबिंदर सिंह के पेट और सिर में चार गोलियां मारीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान जब चचेरे भाई जर्मनजीत सिंह ने हमलावरों का पीछा किया तो उन्होंने उसके पैर में गोली मरा दी। घायल को इलाज के लिए अमृतसर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर भी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उधर, अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि सीएम मान व डीजीपी तुरंत इस्तीफा दें।

कश्मीर में 36 साल पुरानी मुस्लिम जांबाज फोर्स बना रही कश्मीरी पंडितों की डेथ लिस्ट

श्रीनगर, 18 फरवरी (एजेंसी)। कश्मीर में पहलगाम के पास मट्टन में कश्मीरी पंडितों की बस्ती है। आबादी करीब 300 की है। यहां की गलियों में दिन के 4 बजते ही सन्नाटा पसर जाता है। मट्टन में रहने वाले रमेश कौल (बदला हुआ नाम) अब अनजान नंबरों से आने वाले फोन नहीं उठाते। वजह पूछने पर बताते हैं, कश्मीरी पंडितों को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। पुलिस ने कहा है कि शाम होने से पहले घर आ जाएं। अजनबियों से दूर रहें। अंधेरे में बाहर न निकलें और कोई संदिग्ध दिखे, तो तुरंत खबर करें। कश्मीरी पंडितों को टारगेट किलिंग की धमकी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी ग्रुप द रेजिस्टेंस फोर्स यानी ळफ्क्ष्ने दी है। इसके अलावा 1990 के दशक में एक्टिव रहे ग्रुप मुस्लिम जांबाज फोर्स ने भी पोस्टर लगाकर कश्मीर की आजादी तक जंग जारी रहने की धमकी दी है। इन धमकियों के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीरी पंडितों को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। फाल्कन स्क्वाड की तरफ से जारी लेटर, ये 3 फरवरी को जारी किया गया था। इसमें कश्मीरी पंडितों को जान से मारने की खुली धमकी दी गई है। कश्मीरी पंडितों के लिए जारी धमकी वाला लेटर फाल्कन स्क्वाड के नाम से जारी किया गया है। इसमें लिखा है... कश्मीरी पंडितों थोड़े फायदे के लिए बलि का बकरा मत बनो। पहले ही देख चुके हो कि इस रास्ते पर चलने का अंजाम जान गंवाना होता है, जैसा राहुल पंडित, माखन लाल बिंद्रू, मोहन लाल और बाकी के साथ हुआ था। इन्हें हमने कई बार चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। तुम लोग उनकी तरह मत बनो। अपना नाम मरने वालों की लिस्ट में मत लिखवाओ। आरएसएस की सरकार ने लोकल कश्मीरियों को बदनाम करने के लिए तुम लोगों का इस्तेमाल किया है। झूठे आरोप लगाकर लोकल कश्मीरियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया, उनकी प्रॉपर्टी जब्त की गई। कश्मीरी पंडितों की नौकरी का रास्ता खोला गया। इससे गैर-कश्मीरियों और कश्मीरी पंडितों की मौत का रास्ता साफ हो रहा है। हमने काफी समय से कश्मीरी पंडितों को टारगेट करने से खुद को रोक रखा था क्योंकि कुछ कश्मीरी पंडितों के ग्रुप ने हमें भरोसा दिया था कि सरकार के हाथों में नहीं खेलेंगे। अब आपने अपने बड़ों के समझौते को खत्म कर दिया है। इसलिए राहुल पंडित, बिंद्रू और दूसरे लोगों के साथ तुम लोग भी उसी तरह के अंजाम के लिए तैयार हो जाओ। तुम लोगों की सभी एक्टिविटी पर हमारी नजर है। आने वाले दिनों में कोई दिक्कत होती है, तो आंसू नहीं बहाना।

यूपी बोर्ड परीक्षा का आगाज, पहले दिन हिन्दी का प्रश्न-पत्र

- 1282 हाई स्कूल और 939 इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा
- चौराहों और मार्गों पर वाहनों के कारण रही जाम की स्थिति

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षाएं बुधवार से जनपद में सीसीटीवी कैमरों एवं पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण वातावरण में प्रारम्भ हो गईं। पहले दिन हिन्दी एवं सामान्य हिन्दी विषय का प्रश्न पत्र देकर परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले परीक्षार्थियों के चेहरों पर विजयी मुस्कान दिखाई दी। इससे पूर्व सुबह से ही नगर मुख्यालय से ग्रामीण क्षेत्रों तक बने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की भारी भीड़ देखने को मिली।

माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड की परीक्षा के आगाज के साथ जनपद में बनाए 72 परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राएं बुधवार को निर्धारित समय से पहले ही पहुंचने लगे थे। इस बीच कई परीक्षार्थी अपने परिजनों के साथ केंद्रों पर पहुंचे। इन परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों की लंबी कतारें भी देखी गईं। क्षमता से अधिक नगरीय क्षेत्र में वाहनों की संख्या के चलते शहर के प्रमुख चौराहों और संपर्क मार्गों पर वाहनों के कारण यातायात बाधित रहा और कई क्षेत्रों में जाम की स्थिति भी बनी रही। इस दौरान परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों की गहनता के साथ तलाशी लेने के बाद परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिलाया गया।

डीआईओएस राजेश कुमार श्रीवास ने यूपी बोर्ड की परीक्षा की दोनों पालियों में आयोजित परीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 18

फरवरी से प्रारम्भ होकर 12 मार्च तक संचालित होंगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रातःकालीन सत्र सुबह 8.30 बजे से 11.45 बजे तथा अपराह्न सत्र दोपहर 2 बजे से 5.15 सायं तक तय किया गया। हाईस्कूल की परीक्षा प्रातःकालीन सत्र व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं दोनों सत्रों में संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के लिए हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी विषय का प्रश्नपत्र निर्धारित था। परीक्षा में हाईस्कूल परीक्षा में कुल पंजीकृत संस्थागत 28,901 और व्यक्तिगत 220 परीक्षार्थियों में से किन्हीं कारणों से 1265 संस्थागत और 17 व्यक्तिगत परीक्षार्थियों ने परीक्षा से किनारा कर लिया। वहीं दूसरी पाली में इंटरमीडिएट संस्थागत 25477 और 651 व्यक्तिगत परीक्षार्थियों में से 889 संस्थागत एवं 50 व्यक्तिगत छात्र-छात्राओं ने उक्त परीक्षा छोड़ दी। उन्होंने बताया कि जनपद में इस वर्ष कुल 56,163 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें 29,128 छात्र एवं 27,035 छात्राएं शामिल हैं। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। केंद्रों के प्रवेश द्वार पर सघन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। नकल-विहीन परीक्षा संपन्न कराने के उद्देश्य से तमाम प्रशासनिक अधिकारी इन केंद्रों का निरीक्षण करते रहे।

आधा घंटे देरी से दिया प्रश्नपत्र, समय से ले ली उत्तर पुस्तिकाएं

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। एसडी गर्ल्स कालेज गांधी कालोनी में दूसरी पाली के पेपर देने पहुंची नई मंडी स्थित भागवंती सरस्वती विद्यालय मंदिर इंटर कालेज की 12वीं की छात्राओं को हिंदी का पेपर देरी से मिलने के कारण भारी मुश्किल का सामना करना पड़ा। भागवंती सरस्वती विद्यालय मंदिर इंटर कालेज की छात्राओं ने शिकायत करते हुए कहा है कि उनका सेंटर गांधी कालोनी स्थित एसडी गर्ल्स इंटर कालेज में लगा था। उन्हें परीक्षा के आधे घंटे बाद प्रश्न पत्र दिया गया। बाद में उनसे उत्तर पुस्तिका निर्धारित समय पर ही ले ली गई। इसे लेकर परीक्षार्थियों के साथ भागवंती विद्या मंदिर इंटर कालेज की प्रधानाचार्या वंदना शर्मा ने भी नाराजगी जताई । उन्होंने कहा कि जब परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र देरी से वितरित किया तो उन्हें निर्धारित समय से अलग आधे घंटे का समय देना चाहिए था। परीक्षार्थी समयाभाव के चलते सभी प्रश्नों का जवाब नहीं दे पाए। डीआईओएस राजेश श्रीवास का कहना है कि मामला संज्ञान में आने के बाद वे स्वयं वहां पहुंचे थे। कक्ष निरीक्षकों को प्रश्न-पत्र खोलने की प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी नहीं थी, जिस कारण प्रश्न-पत्र वितरण में विलंब हुआ। इसलिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दे दिया गया था।

विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना की ताकत : आईएफआर में 70+ देशों ने देखा भारत का समुद्री दम

विशाखापत्तनम, 18 फरवरी (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में बुधवार से शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू (आईएफआर) भारतीय नौसेना की ताकत और वैश्विक समुद्री सहयोग का प्रमुख मंच बन गया है। इस दौरान भारतीय नौसेना के प्रमुख युद्धपोत और पनडुब्बियों के साथ-साथ मित्र देशों के जहाज और प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू का अवलोकन किया। साथ ही गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा भी की। बता दें कि इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 में 70 से अधिक देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं। यह आयोजन भारत के बढ़ते समुद्री दृष्टिकोण और विश्वस्तरीय नौसैनिक सहयोग को दर्शाता है। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 में 70 से अधिक देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के प्रति राष्ट्रों की एकता, विश्वास और सम्मान को दर्शाती है। विभिन्न ध्वजों वाले जहाज और विभिन्न देशों के नाविक एकजुटता की भावना का प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एकजुटता की यह भावना इस रिव्यू की थीम 'यूनाइटेड थ्रू ओशंस' में बखूबी समाहित है। यह वैश्विक समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश है कि इस सामूहिक नौसैनिक शक्ति की प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी : भरण-पोषण इतना अधिक न हो कि पति के लिए असहनीय बोझ बन जाए

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण की राशि न तो इतनी अधिक होनी चाहिए कि वह पति के लिए असहनीय बोझ बन जाए और न ही इतनी कम कि पत्नी और बच्चे अभाव में जीवन जीने को मजबूर हों। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने इस टिप्पणी के साथ पारिवारिक न्यायालय की ओर से तय 16 हजार रुपये प्रतिमाह की भरण-पोषण राशि को घटाकर आठ हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया। उन्होंने यह आदेश पति की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रजनीश बनाम नेहा और कुलभूषण कुमार बनाम राजकुमारी मामलों का हवाला देते हुए कहा कि भरण-पोषण पति की शुद्ध आय के लगभग 25 प्रतिशत तक उचित माना जा सकता है। फतेहपुर के पारिवारिक न्यायालय ने 22 अप्रैल 2025 को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए पति की आय लगभग 32 हजार रुपये प्रतिमाह मानकर पत्नी को 10 हजार और बेटे को छह हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया था। पति अनिल कुमार ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसकी आय लगभग 30-32 हजार रुपये प्रतिमाह है, ऐसे में 16 हजार रुपये प्रतिमाह देना अत्यधिक है। शासकीय अधिवक्ता ने दलील दी कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई कमी नहीं है। इसलिए आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पत्नी विधिक रूप से विवाहित है और उसके पास स्वयं की आय का कोई स्रोत नहीं है। बेटा भी आश्रित है, लेकिन भरण-पोषण तय करते समय पति की शुद्ध आय को ध्यान में रखा जाना चाहिए। 32 हजार रुपये की आय पर 16 हजार रुपये प्रतिमाह देना लगभग 50 प्रतिशत होता है, जो अत्यधिक है। कोर्ट ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश में संशोधन करते हुए भरण-पोषण की कुल राशि आठ हजार रुपये प्रतिमाह करने का आदेश दिया। यह राशि आवेदन की तिथि से देय होगी।

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा: नामीबिया को 102 रन से हराया

कोलंबो, 18 फरवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में प्रवेश कर लिया है। टीम ने बुधवार के दूसरे मैच में नामीबिया को 102 रन से हराया। पाकिस्तान टॉप-8 में पहुंचने वाली 8वीं टीम बनी है। कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में पाकिस्तान ने ग्रुप-ए के इस मैच का टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाबी पारी में नामीबिया 17.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान तारिक ने 4 विकेट झटके। जबकि शादाब खान को 2 विकेट मिले। ओपनर लॉरेन स्टीनकैंप ने 23 और एलेक्जेंडर वॉल्सचेंक ने 20 रन बनाए। टीम के 9 बैटर्स दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने 58 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 57 बॉल पर शतक बनाया। शादाब खान ने नाबाद 36 रन बनाए। कप्तान सलमान अली आगा 38 रन बनाकर आउट हुए। नामीबिया के लिए जैक ब्रेसल ने 2 विकेट झटके। जबकि जेरार्ड इरास्मस को एक विकेट मिला।

मोहन भागवत ने सीएम योगी से की मुलाकात

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लखनऊ में सीएम योगी से उनके आवास पर मुलाकात की। आरएसएस के शताब्दी वर्ष को लेकर कार्यक्रमों की श्रृंखला में मोहन भागवत लखनऊ के दो दिवसीय काफी अहम माना जा रहा है। संघ

बोलेः अवसर वादी ज्यादा दिन संघ में नहीं टिक पाते

प्रमुख ने अपने यूपी प्रवास के दौरान संगठन विस्तार और सामाजिक समरसता पर खास फोकस कर रखा है।

इससे पहले आज सुबह दो दिवसीय प्रवास के दौरान अंतिम दिन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ की सबसे बड़ी समस्या हिंदू समाज ही है क्योंकि हमें उन्हें जगाने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। दिलीप कुमार ने सवाल किया कि भाजपा की सरकार बनते ही कुछ अवसरवादी लोग अपने फायदे के लिए संघ में शामिल हो जाते हैं जिससे समर्पित कार्यकर्ता भी उदासीन हो जाते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को अपने समर्पण की जांच करानी चाहिए। संघ की कार्यपद्धति फूलप्रूफ है क्योंकि संघ देश के उत्थान के लिए समर्पित कार्यकर्ता से केवल लेता ही है, उसे देता कुछ नहीं। अगर अवसरवादी लोग आ भी जाते हैं तो वे संघ में ज्यादा दिन टिक नहीं पाते क्योंकि उन्हें पता चल जाता है कि हमसे उन्हें कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। डॉ. श्वेता श्रीवास्तव और कर्नल एमके सिंह के एक सवाल के जवाब में डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि मंदिरों से होने वाली आय को जन कल्याण के लिए लगाना चाहिए और इसकी बागडोर सरकार के हाथों में न होकर जिम्मेदार भक्तों के पास होनी चाहिए।

स्पीकर का आदेश- अफसर विधायकों का फोन उठाएं, नहीं तो कार्रवाई

शिवपाल बोले- मंत्री झूठ बोलते हैं, महाना ने कहा- एडजस्ट कर लीजिए

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसी)। यूपी विधानसभा में बजट सत्र के 8वें दिन बुधवार को चर्चा जारी है। अफसरों द्वारा विधायकों का फोन नहीं उठाने के मुद्दे पर स्पीकर ने कहा- यह गलत है। जनप्रतिनिधि अगर फोन करते हैं तो अफसर को न केवल फोन रिसीव करना होगा बल्कि सम्मान भी देना है। ऐसा ना होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इस मामले को उठाते हुए कहा था- दरोगा तक हमारा फोन नहीं उठाते हैं। आज सपा विधायक अतुल प्रधान ने सिंचाई के लिए किसानों को मुफ्त बिजली नहीं देने का मामला उठाया। उन्होंने कहा- दो साल में 5 लाख किसानों को बाहर कर दिया गया। उनके नाम जोड़े तक नहीं गए। मंत्री एके शर्मा ने आंकड़े गिनाए और कहा- वे किसान बाहर किए गए होंगे जिन्होंने आवेदन नहीं किया होगा। इस पर प्रधान ने मंत्री को झूठा करार दिया तो स्पीकर ने झूठ शब्द पर आपत्ति जताई।

अधिकारी को 10 मिनट में देना होगा जनप्रतिनिधि के फोन का जवाब

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसी)। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि इसके तहत जिला स्तर पर एक अत्याधुनिक 'जिला संपर्क एवं कमांड सेंटर' स्थापित होगा, जो जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच संचार की कड़ी बनेगा। 10 मिनट में अधिकारी का फोन न उठने अथवा कॉल बैक न आने पर सेंटर अपना काम शुरू कर देगा। जनप्रतिनिधि द्वारा कमांड सेंटर को सूचित करने के बाद तत्काल संबंधित अधिकारी को 'कॉल बैक' करने का निर्देश दिया जाएगा और इसकी पुष्टि होने तक समन्वय किया जाएगा। इसके लिए स्मार्टफोन और सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा। सॉफ्टवेयर में अधिकारियों के 'रिस्पांस टाइम' का डाटा सुरक्षित रखा जाएगा। सेंटर के पास राजपत्रित अधिकारियों की उपलब्धता (ड्यूटी, अवकाश या प्रशिक्षण) का रियल टाइम डाटा होगा। कोई अवकाश पर है, तो जनप्रतिनिधि को वैकल्पिक अधिकारी से संपर्क करने को कहा जाएगा।

थानेदार 75 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने बारा थाने से दबोचा

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसी)। यमुनापार इलाके के बारा थाना प्रभारी विनोद कुमार सोनकर को एंटी करप्शन की टीम ने 75 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। इससे थाने में हड़-कंप मचा रहा। थानाध्यक्ष के खिलाफ एंटी करप्शन टीम को शिकायत मिली थी। फाइनल रिपोर्ट लगाने के नाम पर रकम की मांग की गई थी। ट्रैप टीम गठित कर थानाध्यक्ष को रंगे हाथों दबोच लिया। एसओ को गिरफ्तार कर टीम अपने साथ ले गई। तीन साल में 75 रिश्वतखोर पकड़े जा चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा राजस्व निरीक्षक, बिजलीकर्मी पुलिसकर्मी समेत अन्य पर कार्रवाई की गई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नाड़ा खींचना, ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी लड़की के पायजामे का नाड़ा खींचना और ब्रेस्ट पकड़ना रेप की कोशिश माना जाएगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें इसे रेप की कोशिश की जगह रेप की तैयारी बताया गया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आपराधिक कानून के स्थापित सिद्धांतों का गलत इस्तेमाल किया है। कोर्ट ने कहा, हम हाईकोर्ट की इस बात से सहमत नहीं हैं कि आरोप केवल तैयारी तक सीमित हैं। आरोपियों की हरकत साफ तौर पर रेप की कोशिश की ओर इशारा करती है। पहली नजर में शिकायतकर्ता और अभियोजन ने रेप की कोशिश का मामला बना दिया है। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 17 मार्च, 2025 को दिए आदेश में कहा था कि ये कृत्य रेप या रेप की कोशिश की केटेगरी में नहीं आते, इसके बाद 'अटेंप्ट टू रेप' का आरोप हटाने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट का फैसला सामने आते ही विवाद बढ़ गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर 25 मार्च, 2025 को रोक लगा दी थी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बोला- बिना पेनिट्रेशन प्राइवेट पार्ट रगड़ना रेप नहीं

रायपुर, 18 फरवरी (एजेंसी)। 'यदि किसी मामले में महिला के साथ पूरा पेनिट्रेशन यानी प्रवेश साबित नहीं होता, केवल प्राइवेट पार्ट को रगड़ा गया है, तो इसे कानून की नजर में रेप नहीं माना जाएगा। ऐसा कृत्य अटेम्प्ट टू रेप यानी रेप की कोशिश की श्रेणी में आएगा।' छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रेप के एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। इसी आधार पर कोर्ट ने रेप के आरोपी की सजा आधी कर दी है। अब 7 साल की जगह आरोपी साढ़े 3 साल ही जेल में सजा कटेगा। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कहा कि, आरोपी का इरादा गलत और स्पष्ट था, लेकिन मेडिकल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरा पेनिट्रेशन साबित नहीं हुआ। इसलिए यह मामला बलात्कार नहीं बल्कि रेप के प्रयास का बनता है। दरअसल, यह मामला धमतरी जिले का है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 21 मई 2004 को जब पीड़िता घर में अकेली थी, तब आरोपी उसे जबरदस्ती खींचकर अपने घर ले गया। वहां उसने पीड़िता और अपने कपड़े उतारे। उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। आरोप है कि, आरोपी ने पीड़िता को कमरे में बंद कर दिया। उसके हाथ-पैर बांध दिए और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। कुछ समय बाद पीड़िता की मां मौके पर पहुंची और उसे छुड़ा लिया। इसके बाद अर्जुनी थाने में एफआईआर दर्ज हुई। 6 अप्रैल 2005 को जांच के बाद ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) की धारा 376(1) यानी रेप और धारा 342 यानी गलत तरीके से बंधक बनाने के अपराध में दोषी माना और 7 साल की सजा सुनाई।

रघुनंदन ज्वैलर्स पर एक करोड़ के जेवरात की ठगी

मेरठ, 18 फरवरी (एजेंसी)। मेरठ के आबूलेन पर आबू प्लाजा स्थित रघुनंदन ज्वेलर्स में एक करोड़ के आभूषणों की ठगी कर ली गई। इसे लेकर बुधवार शाम आबूलेन पर हंगामा हो गया। मौके पर पुलिस पहुंच गई और मामले की जांच शुरू की। बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल ने बताया कि कृष्णा नाम के युवक ने बुधवार दोपहर लगभग एक बजे रघुनंदन ज्वेलर्स में व्हाट्सएप कॉल किया। युवक ने कहा कि उन्हें लगभग एक करोड़ रुपए के आभूषण खरीदने हैं। कृष्णा ने कहा कि वह अपने भतीजे को उनके शोरूम पर भेज रहा है। लगभग 20 मिनट बाद एक युवक ज्वेलर्स के यहां पहुंचा और उसने खुद को कृष्णा का भतीजा बताया। उसने ज्वेलर्स के यहां से गले का हार, अंगूठी, बुंदे समेत करीब 600 ग्राम सोने के आभूषण पसंद किए। सराफ ने व्हाट्सएप कॉल पर बात करते हुए कृष्णा से ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कहा। कृष्णा ने कहा कि अभी वह ऑनलाइन पेमेंट नहीं कर सकता, कुछ देर में कैश भेज रहा है। बाद में वह नकदी वापस लेकर ऑनलाइन पेमेंट कर देगा। लगभग आधे घंटे बाद रघुनंदन ज्वेलर्स के शोरूम पर चार लोग पहुंचे। इनमें से दो सदर बाजार मेरठ और दो मुजफ्फरपुर बिहार के बताए गए। विजय आनंद का कहना है कि चारों ने आभूषण का भुगतान ज्वेलर्स को कर दिया। इसके बाद कृष्णा का कथित भतीजा आभूषण लेकर वहां से चला गया।

ईशान किशन टी-20 आईसीसी बैटर रैंकिंग के टॉप 10 में

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसी)। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ताजा टी-20 रैंकिंग जारी कर दी है। इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन टॉप-10 बैटर्स में शामिल हो गए हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्डकप में खेली गई 77 रनों की पारी का फायदा मिला। ईशान 17 पायदान चढ़कर बल्लेबाजों की लिस्ट में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिस्ट में टॉप पर भारत के ही अभिषेक शर्मा हैं। गेंदबाजी में भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पाकिस्तान के सईम अयूब एक बार फिर नंबर-1 बन गए हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के खिलाफ डक पर आउट होने के बाद भी टी20क बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट दूसरे स्थान पर काबिज हैं। श्रीलंका के विस्फोटक बल्लेबाज पथुम निसंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैंडी में शानदार शतक जड़कर तीन स्थान की छलांग लगाई और तीसरे नंबर पर पहुंच गए। इंडिया के तिलक वर्मा भी एक पायदान की छलांग लगाते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बठिंडा में किसानों-पुलिस के बीच पथराव

बठिंडा, 18 फरवरी (एजेंसी)। बठिंडा के जिओंद गांव के पास पुलिस और किसानों के बीच भारी टकराव हो गया। किसानों की भीड़ ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया। इस दौरान दोनों तरफ से पथराव हुआ, जिसके वीडियो भी सामने आए हैं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। इस टकराव में पुलिस और किसानों की ओर से कई लोग घायल हुए हैं। जबकि, कुछ को गैस चढ़ गई, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर किसानों को फौरन सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। रुद्र ज्योति यादव ने कहा कि स्थिति कंट्रोल करने के लिए पुलिस अपने हाथों का इस्तेमाल कर रही है। इससे पहले भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) एकता उगराहां के नेतृत्व में बठिंडा शहर की ओर निकाले गए मार्च को पुलिस ने रोक दिया। किसान बठिंडा में डिप्टी कमिश्नर के ऑफिस के बाहर धरना देने जा रहे थे। जिसके बाद किसान रामपुराफूल से पहले बठिंडा-चडीगढ़ हाईवे पर अपनी मांगों को लेकर धरना देकर बैठ गए। पुलिस फोर्स किसानों को रोकने के लिए पहुंची, लेकिन किसान नहीं माने। हाईवे जाम होने के कारण पुलिस ने बठिंडा से चंडीगढ़ जाने वाले ट्रैफिक को गांवों के रास्ते से डायवर्ट किया गया है। इसी दौरान बठिंडा आ रहे किसानों के साथ पटियाला के समाना में पुलिस के साथ झड़प हुई। जिसके बाद पुलिस ने किसानों को डिटेन किया है। इसके अलावा संगरूर के गांव शेरों में भी किसानों के बीच धक्कामुक्की हुई। जिसके बाद कई किसान हिरासत में लिए गए हैं। किसानों की मुख्य मांग जेल में बंद उनके 2 साथियों, बलदेव सिंह (गांव चाओके) और शगनदीप सिंह (गांव जिओंद) की तत्काल रिहाई है। ये दोनों 9 महीनों से अधिक समय से जेल में हैं।

गैंगस्टर इकबाल उर्फ बाला की 56 संपत्तियां कुर्क

सहारनपुर, 18 फरवरी (एजेंसी)। जिला प्रशासन ने गैंगस्टर मोहम्मद इकबाल उर्फ बाला की अवैध रूप से अर्जित 56 संपत्तियों को कुर्क किया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के तहत डीएम मनीष बंसल के आदेश पर की गई। कुर्क की गई संपत्तियों के प्रबंधन के लिए तहसीलदार बेहट को प्रशासक नियुक्त किया गया है। प्रशासन के अनुसार, मोहम्मद इकबाल उर्फ बाला एक संगठित गिरोह का सरगना है। उसके बेटे मोहम्मद जावेद, मोहम्मद वाजिद, अलीशान, अफजाल और अन्य सहयोगी भी इस गिरोह में शामिल हैं। इनके खिलाफ वर्ष 2022 में थाना मिजार्पुर में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इकबाल पर जनपद, गैर जनपद और गैर राज्य के विभिन्न थानों में लगभग 50 मुकदमे दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि गिरोह ने वन क्षेत्रों से खैर समेत अन्य लकड़ी की चोरी, तस्करी, अवैध खनन और जमीनों पर अवैध कब्जे जैसे अपराध किए। आरोप है कि इन अवैध गतिविधियों से अर्जित धन का उपयोग सरकारी और निजी जमीनों को डराने-धमकाने तथा धोखाधड़ी के जरिए खरीदने या कब्जाने में किया गया। इसी अवैध कमाई से करोड़ों रुपये की संपत्तियां बनाई गईं।

मेरठ में संविदा बिजली कर्मी घूस लेते अरेस्ट

मेरठ, 18 फरवरी (एजेंसी)। लिसाड़ी गेट थानाक्षेत्र में एंटी करप्शन की टीम ने संविदा पर तैनात बिजलीकर्मी को 6 हजार रुपयों की रिश्वत लेते हुए अरेस्ट किया है। टीम ने संविदाकर्मी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। उसके पास से 6 हजार रुपए भी मिले हैं, जो उसने रिश्वत में लिए थे। दरअसल संविदाकर्मी ने बिजली का मीटर उतारने के लिए पीड़ित पक्ष से 6 हजार रुपयों की मांग की थी। जब पीड़ित ने उसे पैसे दिए तो टीम ने उसे अरेस्ट कर लिया। एंटी करप्शन की टीम से कैलाश, केपी सिंह और नरेंद्र ने अरेस्ट किया है। मौके पर पुलिस के साथ ही बिजली विभाग की टीम भी पहुंची है। वहीं मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि संविदाकर्मी को गलत फंसाया जा रहा है। फिलहाल नौचंदी थाने पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

भांजे की मेहंदी की रस्म के दौरान मामा की मौत

खरगोन, 18 फरवरी (एजेंसी)। मेहंदी की रस्म के दौरान दूल्हे के मामा को हार्ट अटैक आ गया। वे नाचते-नाचते जमीन पर गिर पड़े। परिजन ने इसे उनका डांस स्टेप ही समझा। कुछ देर तक जब वे नहीं उठे तो रिश्तेदार उनकी तरफ बढ़े। उन्हें निढाल देखकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी। मामला खरगोन के ओझरा गांव का है। इसका वीडियो भी सामने आया है। बड़वानी में पिपलुद गांव के रहने वाले घनश्याम यादव (40) अपने भांजे की शादी में ओझरा आए थे। मंगलवार रात को मेहंदी की रस्म थी। इस दौरान घनश्याम अपनी पत्नी के साथ नाच रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी जश्न में शामिल थे। घनश्याम यादव पेशे से किसान थे। करीब आठ एकड़ जमीन है। उनके साथ उनकी पत्नी और इकलौता बेटा भोला यादव भी मौजूद थे। भोला 8वीं क्लास में पढ़ता है। वे भांजे अंकित और भांजी रजनी की शादियों में भात लेकर मंगलवार को ही वझरा पहुंचे थे। शाम को मेहंदी के साथ ही संगीत भी रखा गया था।

देर रात हटाये गये राणा परिवार के यूनिपोल

वैल्डिंग कटर से काटे गये दोनों यूनिपोल

मुजफ्फरनगर, 18 फरवरी (बु.)। राणा चौक पर बुधवार की देर रात नगरपालिका की टीम ने दो यूनिपोल हटाने का काम किया। पूरे दलबल के साथ पहुंची टीम ने रात्रि लगभग साढ़े दस बजे यूनिपोल हटाने का काम शुरू किया। बताया जाता है कि उक्त दोनों यूनिपोल राणा परिवार के द्वारा लगाये गये थे, जो कई बार नोटिस भेजने के बाद भी नहीं हटाये गये थे। इन यूनिपॉल पर राणा पब्लिक स्कूल का फ्लैक्स लगा हुआ था, जो नगरपालिका द्वारा अवैधानिक बताया गया है। बड़ी बात यह रही कि उक्त यूनिपोल को वैल्डिंग कटर से काटकर हटाया गया और कार्यवाही के समय राणा परिवार द्वारा इसका कोई विरोध नहीं किया गया। कल रात से उक्त दोनों यूनिपोलों को हटाने की सुगबुगाहट आ चुकी थी। एक यूनिपोल तो बुधवार दोपहर से ही आईटीआई के बाहर रखा देखा गया और दूसरे यूनिपॉल को देर रात को उतारा गया। बताया जा रहा है कि उक्त दोनों यूनिपोल जाकिर राणा द्वारा लगवाये गये थे।

पंजाब में दुल्हन पर 8-9 करोड़ रुपये उड़ाने का दावा

तरनतारन, 18 फरवरी (एजेंसी)। जिले के पट्टी क्षेत्र में एक एनआरआई की शादी पंजाब में चर्चा का विषय बन गई। शादी समारोह के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें दिख रहा है कि दूल्हा अपनी दुल्हन पर नोटों की बारिश कर रहा है। इस दौरान रिश्तेदार खड़े होकर इस सीन को देख रहे हैं। जबकि, कुछ लोग इस सीन को एन्जॉय कर डांस कर रहे हैं और वे भी नोट उड़ा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि दूल्हा बैग में भरकर नोट लाया था, जिसने गड्डियां खोल-खोलकर नोट लुटाए। इस दौरान उसने 8 से 9 करोड़ रुपए उड़ा दिए। हालांकि, शादी में डीजे बजाने पहुंचे युवक ने इन दावों को गलत बताया। उसने कहा- नोटों में 10-10 के नोट ज्यादा थे, इसलिए रुपयों की संख्या ज्यादा लग रही है। हमारी इतनी कमाई नहीं हुई। डॉलर समेत करीब 3 लाख रुपये हमारे हाथ लगे हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स शादी की इस घटना को जश्न का अनोखा अंदाज और कुछ इसे फिजूलखर्ची बता रहे हैं। शादी समारोह से बाहर आए वीडियो में दिख रहा है कि दुल्हन बीच में खड़ी है। उसके पास ही दूल्हा खड़ा है और उसके पास एक बैग है। उसमें से वह नोटों की गड्डी निकालता है। उसे खोलता है और दुल्हन के ऊपर उछाल देता है। पास ही घेरा लगाकर रिश्तेदार और परिजन खड़े हुए हैं। डीजे बज रहा है, जिसकी धुन पर कुछ लोग नाच भी रहे हैं। पास खड़े ज्यादातर लोग नोटों की इस बारिश को अपने मोबाइल फोन के कैमरे में कैद करने में लगे हुए हैं।

डीजे वाला बोलाः तीन लाख रुपए हमारे हाथ लगे